सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 113 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 04 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

जगदलपुर में 15-16 फरवरी को लगेगा रोजगार मेला

जगदलपुर। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आगामी 15 एवं 16 फरवरी को एक विशाल संभाग स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्देश्य निजी क्षेत्र की कंपनियों और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को एक मंच पर लाना है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, जगदलपुर ने निजी क्षेत्र की ऐसी सभी संस्थाओं और नियोक्ताओं को इस मेले में शामिल होने का आमंत्रण दिया है, जो अपनी संस्था में रिक्त पदों की पूर्ति करना चाहते हैं। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह मेला नियोजकों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। इस मेले में भाग लेने और अपनी रिक्तियों को भरने के इच्छुक नियोजकों को रिक्त पदों की अधिसूचना निर्धारित प्रपत्र में भरकर आगामी 08 फरवरी तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। सुविधा की दृष्टि से विभाग ने आवेदन के कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। नियोक्ता अपनी जानकारी जिला रोजगार केंद्र जगदलपुर में व्यक्तिगत या डाक द्वारा भेज सकते हैं।

फोरलेन के लिए 20.51 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में जन सामान्य का आवागमन सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर जिला बिलासपुर के अंतर्गत कोनी मोपका बायपास मार्ग लम्बाई 13.40 किलोमीटर फोरलेन निर्माण कार्य के लिए 20 करोड़ 51 लाख 80 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है।

सीबीआई और ईडी को सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश

नईदिल्ली। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बुधवार को अहम आदेश पारित किया। कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े कथित बैंकिंग धोखाधड़ी मामले में निष्पक्ष और तटस्थ जांच करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। उन्होंने सीबीआई और ईडी से चार सप्ताह के भीतर ताजा रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

प्रदेश के 62 शालाओं को मिलेगा नया स्कूल भवन

रायपुर। राज्य शासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश की कुल 62 शालाओं में नवीन भवन निर्माण हेतु 7 करोड़ 22 लाख 56 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें 30 पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए 3.55 करोड़ तथा 32 प्राथमिक शालाओं के लिए 3.67 करोड़ की राशि स्वीकृत शामिल है।

भिलाई टू रायपुर हाइवे : सिरसा गेट और खुर्सीपार चौक पर बनेंगे ग्रेड सेपरेटर

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने दी 77.36 करोड़ की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजधानी रायपुर और ट्विन सिटी भिलाई-दुर्ग के बीच फास्ट ट्रैफिक के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर सिरसा गेट चौक तथा खुर्सीपार गेट चौक पर ग्रेड सेपरेटर बनाए जाएंगे। डिप्टी सीएम तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव की पहल पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए 77 करोड़ 36 लाख रुपए मंजूर किए हैं। भारत सरकार द्वारा राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना के तहत इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है।

रायपुर और दुर्ग के बीच सिरसा गेट एवं खुर्सीपार चौक पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण से दोनों ओर आने-जाने वाले वाहनों को कहीं भी रूकना नहीं पड़ेगा। दोनों शहरों के बीच कुम्हारी चौक, डबरा पारा, पॉवर हाउस चौक और सुपेला चौक पर पहले ही फ्लाईओवर्स के निर्माण किए जा चुके हैं। सिरसा गेट तथा खुर्सीपार चौक पर भी इसके निर्माण की मांग लोग लगातार कर रहे थे।

जनआकांक्षाओं को देखते हुए तथा दोनों शहरों के बीच निर्बाध व फास्ट ट्रैफिक के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के समन्वित पहल से इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण की मंजूरी मिली है। यह सड़क रायपुर-भिलाई-दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी काफी महत्व रखती है। अब दोनों शहरों के बीच के सभी चौकों पर फ्लाईओवर्स एवं ग्रेड सेपरेटर्स के निर्माण से इस सड़क से गुजरने वाले यात्रियों के साथ ही यहां संचालित उद्योगों को भी काफी राहत मिलेगी।

जानिए क्या होता है ग्रेड सेपरेटर

ग्रेड सेपरेटर एक इंजीनियरिंग संरचना है जो रेलवे या सड़कों पर दो अलग-अलग यातायात मार्गों को एक-दूसरे को काटे बिना, ऊपर या नीचे से गुजारती है, जिससे टकराव का खतरा खत्म हो जाता है और यातायात सुचारु रूप से चलता है, जैसे कि फ्लाईओवर या अंडरपास। यह रेलवे में खासतौर पर तब बनाया जाता है जब दो लाइनें आपस में क्रॉस करती हैं, जिससे ट्रेनों को बिना रुके एक-दूसरे के ऊपर से निकल जाने की सुविधा मिलती है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत, तीन सगी बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान

गाजियाबाद। के टीलामोड़ थानाक्षेत्र इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। तीन बेटियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों के कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, मामला मंगलवार देर रात करीब दो बजे का है। किशोरियों के माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। तीनों बहनों ने अपने कमरे की खिड़की से छलांग लगा दी। यह भी कहा जा रहा है कि तीनों बहनें पिछले कुछ माह से ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेल रही थीं। कोरोना के बाद से तीनों पढ़ाई भी छोड़ चुकी थी।

मोबाइल कब्जे में लेकर की जा रही है जांच

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चेतन कुमार ऑनलाइन ट्रेडिंग का करते हैं और तीन वर्ष से भारत सिटी सोसायटी में किराये पर रह रहे हैं, मूल रूप से दिल्ली निवासी हैं। तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिए हैं। मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। अतुल कुमार सिंह ने कहा, 'रात करीब 2:15 बजे सूचना प्राप्त हुई कि भारत सिटी में नौवीं मंजिल की बालकनी से तीन बच्चियां कूद गई हैं। मौके पर तीन बच्चियों की गिरने के कारण मौत हो गई है। तीनों को अस्पताल लोनी भेजा गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा अन्य कार्रवाई की जा रही है।

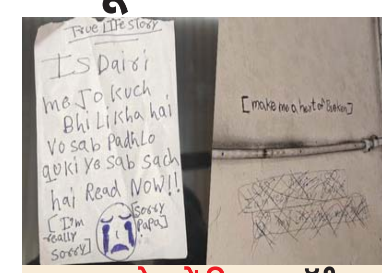

सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी पापा रोती हुई इमोजी बनाई

किशोरियों के कमरे से पुलिस को आठ पेज का एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में उन्होंने मम्मी-पापा से सुसाइड करने के लिए माफी मांगी। सुसाइड नोट में लिखा- इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वो सब पढ़ लो क्योंकि ये सब सच है। आई एम सॉरी, पापा। सुसाइड नोट में एक इमोजी भी बना है, जिसमें एक लड़की रोते हुए दिखाई गई है।

सीजी बोर्ड ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर 5 फरवरी से स्टूडेंट्स पूछ सकेंगे सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं को ट्रेस कम करने के लिए माशिमं द्वारा 5 फरवरी 2026 से 'हेल्पलाइन 2026' शुरू करने का निर्णय लिया है। इस सुविधा का लाभ छात्र, अभिभावक और शिक्षक सभी ले सकेंगे। हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1800 233 4363 पर उपलब्ध रहेगी। यह सेवा सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक सक्रिय रहेगी और परीक्षा से जुड़े किसी भी प्रश्न पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

मिली जानकारी के अनुसार 5 फरवरी से 18 फरवरी तक अंग्रेजी, गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, विज्ञान, जीव विज्ञान और लेखाशास्त्र जैसे विषयों के विशेषज्ञ शिक्षक छात्रों की शंकाओं का समाधान करेंगे। यदि किसी छात्र को परीक्षा को लेकर घबराहट या मानसिक दबाव महसूस हो रहा है, तो वह भी हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकता है। यहां मनोवैज्ञानिक और काउंसलर छात्रों को परीक्षा तनाव से निपटने के लिए आवश्यक सलाह देंगे। हेल्पलाइन का दूसरा चरण 19 फरवरी से 17 मार्च 2026 तक चलेगा। इस दौरान आगामी परीक्षाओं से संबंधित प्रश्नों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

गर्लफ्रेंड का गला रेतकर प्रेमी ने खुद की ली जान

कोरबा में सनसनी खेज वारदात, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक युवक ने अपनी प्रेमिका का गला रेत दिया और खुद का भी गला रेत लिया। इस घटना में युवती की जहां हालत गंभीर हैं वहीं युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने युवक के शव को पीएम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला उरगा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार डायल 112 को सूचना मिली कि उरगा थाना क्षेत्र के एक पुल के नीचे युवक युवती खून से लथपथ पड़े हैं। पुलिस लोकेशन के अनुसार पहुंची तो युवक मृत अवस्था में पड़ा था और युवती गंभीर रूप से घायल थी। पुलिस ने युवती को अस्पताल पहुंचाया। शुरुआती जांच में सामने आया कि युवक युवती दोनों प्रेम प्रसंग में थे। विवाद के बाद युवक ने युवती का गला रेता और खुद का गला भी रेत लिया।

घायल युवती बिलासपुर की रहने वाली है। वहीं, मृत युवक शुभम नायडू भी बिलासपुर का निवासी है और शादीशुदा था। बताया जा रहा है कि दोनों मंगलवार रात से लापता थे और बिलासपुर से सीधे कोरबा पहुंचे थे, जिसके बाद यह घटना हुई। उरगा पुलिस ने मृतक युवक के परिजनों को भी सूचित कर दिया है, जिनके पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह भी बताया गया है कि युवती के लापता होने की सूचना परिजनों ने पहले ही पुलिस को दे दी थी और उसकी तलाश की जा रही थी।

नक्सल-डेडलाइन से पहले 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ आएंगे शाह

रायपुर में हाईलेवल मीटिंग करेंगे, बनेगी फाइनल स्ट्रैटेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, वे शनिवार की रात रायपुर पहुंचेंगे। अगले दिन रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद अमित शाह बस्तर के लिए निकलेंगे, जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अमित शाह का दौरा ऐसे वक्त हो रहा है। जब केंद्र सरकार की तरफ से तय की गई 31 मार्च 2026 की नक्सलवाद समाप्ति की

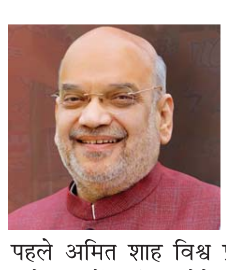

डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समयसीमा का सार्वजनिक ऐलान किया था। इससे पहले अमित शाह विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा महोत्सव में शामिल होने 4 अक्टूबर 2025 को बस्तर दौरे पर आए थे।

छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में करीब दो महीने का ही समय बाकी है। ऐसे में अमित शाह का यह दौरा नक्सल विरोधी अभियानों की दिशा और आगे की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे शाह

अमित शाह 7 फरवरी को रायपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वे छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। जिसे अधिकारी 31 मार्च की डेडलाइन से पहले की अंतिम सुरक्षा समीक्षा के तौर पर देख रहे हैं। अमित शाह की यह बैठक राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद निर्णायक मानी जा रही है। बैठक में छत्तीसगढ़, तेलंगाना, महाराष्ट्र और ओडिशा से जुड़े नक्सल प्रभावित इलाकों की सुरक्षा स्थिति, ऑपरेशन की प्रगति और इंटेलिजेंस इनपुट्स पर चर्चा होने की संभावना है। खासतौर पर बस्तर संभाग में चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशनों की समीक्षा इस बैठक का प्रमुख एजेंडा रहेगा।

दो दिन बढ़ी धान खरीदी, 6 फरवरी तक होगी खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण राहत प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत तीन श्रेणियों के किसानों को धान विक्रय हेतु अतिरिक्त दो दिवस 5 एवं 6 फरवरी 2026 तक खरीदी की अनुमति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार तीन प्रकार के किसान इस अतिरिक्त अवधि में धान विक्रय कर सकेंगे ङ्क ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 के पश्चात टोकन हेतु आवेदन किया गया, किंतु सत्यापन नहीं हो पाया है। ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 के पश्चात आवेदन किया गया तथा सत्यापन उपरांत उनके पास धान पाया गया है। ऐसे किसान, जिन्हें दिनांक 28

जनवरी 2026, 29 जनवरी 2026 एवं 30 जनवरी 2026 को टोकन प्राप्त हुआ था, परंतु किसी कारणवश वे निर्धारित तिथि पर धान विक्रय नहीं कर पाए थे। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए बारदाना एवं हमालों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। राज्य सरकार का यह निर्णय किसानों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी उपज के सुरक्षित एवं सुचारु विक्रय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में 5000 शिक्षकों की होगी भर्ती, शिक्षा विभाग की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में शिक्षकीय संसाधनों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। राज्य शासन ने कुल 5000 शिक्षकीय पदों पर नवीन भर्ती की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

स्कूल शिक्षा विभाग के विभागीय आदेश के माध्यम से पूर्व में 4708 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की अनुमति प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त विभागीय प्रस्ताव के अनुरूप 292 सहायक शिक्षकों के नवीन पदों के सृजन की सहमति देते हुए उन पर भी भर्ती की अनुमति प्रदान की गई है।

इस प्रकार कुल स्वीकृत पदों की संख्या अब 5000 हो गई है। उक्त भर्ती की अनुमति वित्त विभाग की सहमति के आधार पर प्रदान की गई है। इस निर्णय से राज्य के शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही यह निर्णय शिक्षण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा।

कवासी लखमा को मिली जमानत, शराब घोटाले में एक साल से जेल में बंद हैं लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा को आखिरकार जमानत मिल गई है। मंगलवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत देने का आदेश दिया है। लगभग एक साल से शराब घोटाला केस में बंद कवासी लखमा का अब जेल से बाहर आने का रास्ता साफहो गया है।

जमानत की शर्तों के तहत लखमा को छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा। उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और अपना वर्तमान पता और मोबाइल नंबर संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। हालांकि कोर्ट में पेशी के दौरान वे छत्तीसगढ़ आ सकेंगे। जमानत मामले में मंगलवार को करीब डेढ़ घंटे सुनवाई हुई।

बता दें शराब घोटाला मामले में ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही शराब घोटाले के केस में ईओडब्ल्यू ने केस भी दर्ज किया था। ईडी ने 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। उसके बाद से ही कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे का तीसरा दिन

पुरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के दौरे पर हैं। उन्होंने बुधवार की सुबह पुरी में प्रतिष्ठित 'स्वेता गंगा' तालाब में पिंड दान अनुष्ठान किया। इसके बाद उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किये। पुरी के लोक भवन में रात बिताने के बाद, राष्ट्रपति मुर्मू अपनी यात्रा के तीसरे दिन सुबह 7 बजे श्वेता गंगा पहुंचीं। उन्होंने यहां अपने पूर्वजों की आत्माओं के उद्धार के लिए अनुष्ठान किया।

अनुष्ठानों के बाद, राष्ट्रपति सुबह 7.40 बजे 12वीं शताब्दी के मंदिर के सिंहद्वार पहुंचीं। वहां उनका स्वागत पुरी के नाममात्र के राजा, गजपति मगराजा दिब्यसिंह देब ने किया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद कुमार पाधी भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर मंदिर में आम जनता का प्रवेश वर्जित था। राष्ट्रपति मुर्मू अपने परिवार के साथ धुकुड़ी द्वार (दक्षिणी द्वार) के माध्यम से मंदिर के गर्भगृह गईं। यहां उन्होंने भाई-बहन देवताओं - भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन किए।पधी ने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद मुर्मू की यह मंदिर की चौथी यात्रा थी।

गर्भगृह में की प्रार्थना

उन्होंने गर्भगृह में प्रार्थना की, दीये का अर्पण किया और मंदिर परिसर में स्थित मां बिमला और मां लक्ष्मी के दर्शन किए। राष्ट्रपति की इच्छा की पूर्ति के लिए प्रशासन द्वारा मंदिर के शीर्ष पर ध्वज ('पतितापबन बाना') फहराया गया। अपने दर्शन के बाद राष्ट्रपति मंदिर के सामने जमा हुए लोगों के पास गईं और उनसे बातचीत की। राष्ट्रपति मुर्मू की यात्रा के लिए मंदिर और पुरी शहर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंदिर प्रशासन ने मुर्मू को एक खंडुआ (पवित्र वस्त्र) और एक पटाचित्र भेंट किया। राष्ट्रपति मुर्मू आज बाद में अपने पैतृक स्थान, मयूरभंज जिले के रायरांगपुर जाने वाली हैं।

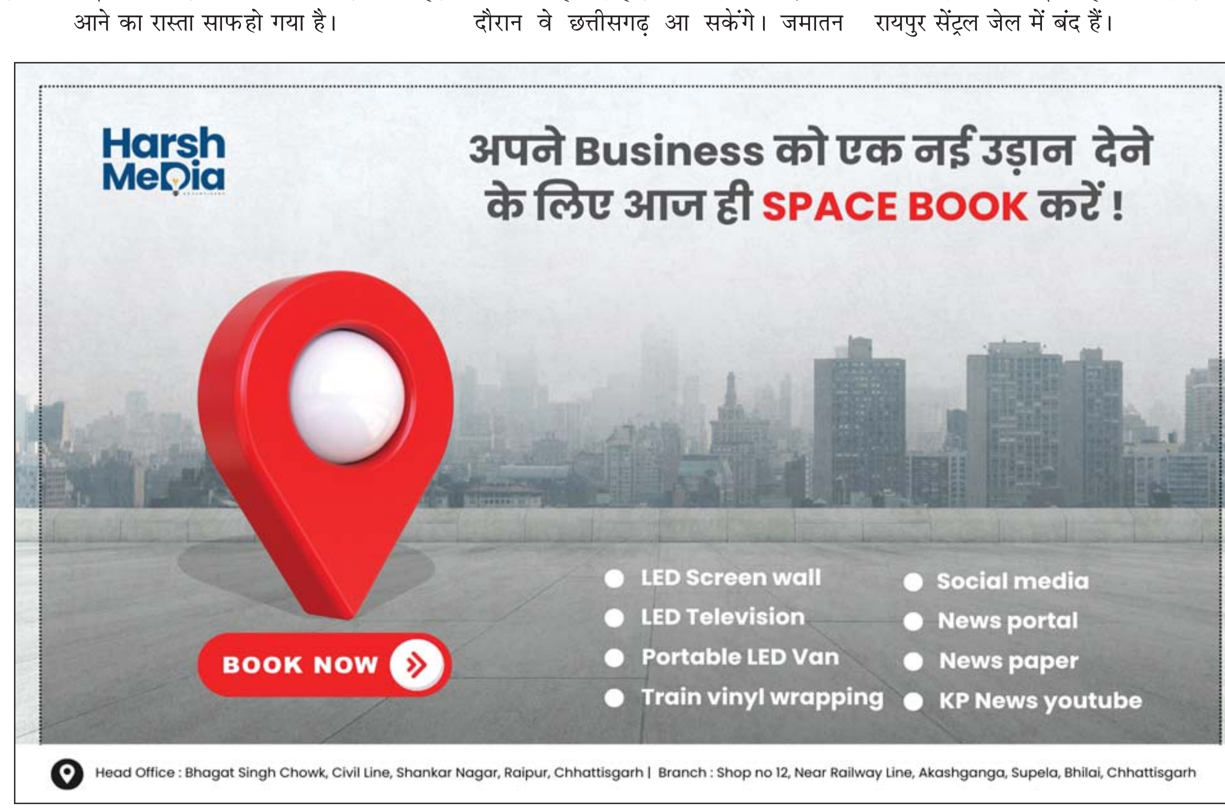

संपादकीय

बजट में सरकार का फोकस

आज दुनिया जिस जियो-पॉलिटिकल उथल पुथल से गुजर रही है और उसकी वजह से देश के सामने जो मुश्किलें हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में उनसे बाहर निकलने का एक रोडमैप पेश किया। इनमें से सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। इस वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर काफी जोर दिया गया है। सरकार ने GDP में इसका योगदान 25 फीसदी तक करने का लक्ष्य रखा है, जबकि अभी तक 20त्न का लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है। इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने 6 प्रायॉरिटी क्षेत्रों पर ध्यान दिया। इनमें सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, टेक्सटाइल, अर्बन इकॉनमिक क्लस्टर्स शामिल हैं। सरकार का फ्ओकस डोमेस्टिक इकॉनमी को और मजबूत करने पर है, ताकि देश को बाहरी झटकों से बचाया जा सके। डेयरी, फिशरीज और एग्रीकल्चर एंप्लॉयमेंट को मजबूती देने के लिए भी सरकार ने कई उपाय किए हैं, जिनका पॉजिटिव असर आने वाले वक्त में दिख सकता है।

" इसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी सरकार का ध्यान बना हुआ है। वित्त वर्ष 2027 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को 10त्न की बढ़ोतरी के साथ 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का ऐलान किया गया है। पिछले कई वर्षों से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में तेजी की सरकार की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। ऐसे में मजबूत ग्रोथ के लिए वह इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर निवेश बढ़ाना जारी रखेगी। इसके साथ स्ट्रैटिजिक पहलू को ध्यान में रखकर क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ जैसे सेग्मेंट को बढ़ावा देने की बात भी सरकार ने कही है।

इसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी सरकार का ध्यान बना हुआ है। वित्त वर्ष 2027 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को 10त्न की बढ़ोतरी के साथ 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का ऐलान किया गया है। पिछले कई वर्षों से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में तेजी की सरकार की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। ऐसे में मजबूत ग्रोथ के लिए वह इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर निवेश बढ़ाना जारी रखेगी। इसके साथ स्ट्रैटिजिक पहलू को ध्यान में रखकर क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ जैसे सेग्मेंट को बढ़ावा देने की बात भी सरकार ने कही है। कुछ समय पहले जिस तरह से चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई रोक दी थी, उसे देखते हुए यह पहल अहम है। बजट में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, डेटा और क्लाउड सर्विसेज जैसे क्षेत्रों को लेकर भी ऐलान किए गए हैं, जो तेजी से बदलती दुनिया और जियो-पॉलिटिक्स के लिहाज से अहमियत रखते हैं।

बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने के लक्ष्य की ओर देख रहा है। वित्त वर्ष 2026 में वैश्विक उथल पुथल के बीच भारत की 7.4त्न की अनुमानित जीडीपी ग्रोथ बड़ी बात कही जा सकती है। वित्त वर्ष 2027 में सरकार ने ग्रोथ के 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जो दुनिया के बड़े देशों में सबसे अधिक होगी। इस बजट में ग्रोथ की रफ्तार बनाए रखने के साथ सरकार ने फिस्कल डेफिसिट पर नियंत्रण को लेकर भी पॉजिटिव घोषणाएं की हैं। वित्त वर्ष 2026 में डेफिसिट जहां जीडीपी का 4.4 फीसदी रहा, वहीं अगले वित्त वर्ष में इसके लिए 4.3 फीसदी का लक्ष्य रखा गया है। भारत की सॉवरेन रेटिंग के लिहाज से यह आंकड़ा अहम है। रेटिंग मजबूत रहने से घरेलू कंपनियों-संस्थानों की कर्ज जुटाने की लागत कम रहती है। भारत की अर्थव्यवस्था की बुनियाद कंजम्पशन है। देश की जीडीपी में इसका योगदान 60 फीसदी के करीब है। पिछले साल के बजट में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर इनकम टैक्स माफ कर दिया था। पिछले फेस्टिव सीजन से पहले सरकार ने त्रस्ज्ञ दरों को तर्कसंगत बनाया था। साथ ही, रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती के हालिया साइकल में 0.75 बेसिस पॉइंट की कमी की है। इससे भी कंजम्पशन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। बजट में सरकार के वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की घोषणा के बाद रिजर्व बैंक क्या कदम उठाता है, इस पर एक्सपर्ट्स की नजरें रहेंगी। अगर शेयर बाजार की बात करें तो बजट से उसके हाथ मायूसी लगी है। 2014 सितंबर के बाद से विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकाल रहे हैं। इस बीच, म्यूचुअल फंड, इंश्योरेंस कंपनियों में घरेलू निवेशकों का जो पैसा गया है, उससे मार्केट को सपोर्ट मिला है। लेकिन उनका भरोसा कितने समय तक बना रहेगा, इस पर सवालिया निशान लगा हुआ है। अगर आगे भी घरेलू निवेशकों का पैसा नहीं बनता है तो हो सकता है कि SIP इन्वेस्टमेंट में कमी आए। ऐसा होने पर शेयर बाजार पर प्रेशर बढ़ सकता है। मार्केट के लिए बुरी खबर फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस पर STT की दरों में 150त्न की बढ़ोतरी भी है। सरकार का इरादा इस कदम के जरिये बेशक छोटे निवेशकों को वायदा बाजार से दूर रखना है, लेकिन इससे हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स का पार्टिसिपेशन घट सकता है। इससे शेयर बाजार के वॉल्यूम में गिरावट आएगी, लिहाजा स्टॉक्स की प्राइस डिस्कवरी इससे प्रभावित हो सकती है।

4 फरवरी विश्व कैंसर दिवस पर विशेष

व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण से कैंसर देखभाल की नई कहानी

डॉ. प्रदीप चंद्राकर, प्रोफेसर क्षेत्रीय कैंसर संस्थान
डॉ. मंजूला बेक, विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय कैसर संस्थान

आज 4 फरवरी विश्व कैंसर दिवस है। जिसकी थीम है united by unique जिसका मतलब है, कैंसर का हर अनुभव अनूठा (unique) होता है और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए हम सभी को एकजुट (united) होना होगा, जहाँ हम बीमारी से परे देखें और मरीज से पहले उस इंसान को समझें।

इस विश्व कैंसर दिवस पर, आइए कैंसर देखभाल के भविष्य को फिर से लिखने के लिए हम एक साथ आएं, एक ऐसा भविष्य जहाँ लोगों और समुदायों की जरूरतें सबसे ऊपर हों। #UnitedByUnique# कैंसर केवल एक मेडिकल डायग्नोसिस या रोग की पहचान मात्र नहीं है। यह एक अत्यंत व्यक्तिगत मामला है। हर डायग्नोसिस के पीछे एक अनूठी मानवीय कहानी छिपी होती है। दुख दर्द, उपचार, लचीलेपन, प्रेम और बहुत कुछ की कहानियाँ। यही कारण है कि कैंसर देखभाल के लिए 'पीपल सेंटर्ड' (व्यक्ति केंद्रित) दृष्टिकोण, जो करुणा और सहानुभूति के साथ प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरी तरह से एकीकृत करता है, स्वास्थ्य के सर्वोत्तम परिणामों की ओर ले जाता है।

यह अभियान व्यक्ति-केंद्रित कैंसर देखभाल के विभिन्न आयामों और बदलाव लाने के नए तरीकों का पता लगाने के लिए एकजुट प्रयास है, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर का क्षेत्रीय कैंसर संस्थान, जो कि छत्तीसगढ़ का एकमात्र शासकीय कंप्रिहेंसिव कैंसर सेंटर है, यह जागरुकता बढ़ाने से लेकर कैंसर के ईलाज के लिए ठोस कदम के लिए प्रतिबद्ध है। इस आयोजन के तहत आज संस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यकम की शुरुआत सुबह जागरूकता रैली एवं मैराथन से किया जायेगा, उसके बाद विभाग में नि:शुल्क कैंसर जाँच शिविर आयोजित है जो प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक है।

क्षेत्रीय कैसर संस्थान रायपुर में कैंसर के इलाज की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। यहाँ पर उच्चतम स्तर की कैंसर की सिकाई से लेकर कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, पैलिए?टिव केयर, बाल्य एवं शिशु कैंसर केयर की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है। सभी तरह के कैंसर मरीज, आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग से लेकर आर्थिक रूप से संपन्न वर्ग, प्रारंभिक अवस्था से लेकर अंतिम अवस्था तक के मरीज यहाँ नि:शुल्क स्वास्थ लाभ लेते हैं। यदि हम कैंसर आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2003 में नए मरीजों की संख्या 1601 थी, 2025 में बढ़कर लगभग 2 से 3 गुना, 35 सौ से 4 हजार तक हो गयी है। जहां 2003 में मात्र 3500 मरीज फ़ॉलोअप के लिए आते थे, अब लगभग ढाई लाख से 3 लाख मरीज आते हैं।

पहले विभाग में कैंसर सिकाई के लिए मात्र टेलीकोबाल्ट एवं ब्रेकीथेरेपी की सुविधा भर थी, आज अत्याधुनिक मशीन एवं तकनीक जैसे ढ्डस्र्क्रञ्ज, ढ्डत्रक्रञ्ज, ड्क्रस्र्ञ्ज की सुविधा उपलब्ध है जिससे कैंसर की क्ढ्ढहक्क्ढ्ढहञ्ज सिकाई की जाती है एवं शरीर की सामान्य ऊतकों का अधिक से अधिक सुरक्षा कर पाना संभव है। अभी कैंसर सिकाई के लिए आने वाले मरीजों की संख्या 475 प्रतिवर्ष से बढ़कर 25000 है। यह छत्तीसगढ़ का एकमात्र संस्थान है जहां इंटरस्टियल इम्प्लांट के माध्यम से ब्रेकीथेरेपी (BRACHYTHERAPY) की जाती है जिममें मुख एवं गले का कैंसर, पेनिल कैंसर (PENILE CANCER), सारकोमा इत्यादि प्रमुख हैं। कैंसर में अधिकांश मरीज एडवांस अथवा अंतिम अवस्था में पहुंचते हैं, जिसमें कीमोथेरेपी अनिवार्य हो जाता है। संस्थान में 1 हज़ार से लेकर लाखों की कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टारगेटेड थेरेपी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है। इसमें सामान्य कीमोथेरेपी से लेकर, पॉलीमर बाउंड, नैनोपार्टिकल, पेगीलटेड फॉर्म सम्मिलित हैं। वर्ष 2003 में कीमोथेरेपी लेने वालों की संख्या मात्र 2055 थीं जो 2025 में बढ़कर लगभग 24000 प्रतिवर्ष हो गई है। इसके अलावा मरीजों को जरुरत के अनुरूप इम्यूनोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टारगेटेड थेरेपी भी दी जाती हैं। चूँकि प्रत्येक मरीज अलग है, संस्थान का प्रयास रहता है उनका इलाज भी अनोखा हो।

कैंसर के प्रत्येक अवस्था में पैलिएटिव केयर की आवश्यकता होती है। पैलिएटिव केयर में सामान्य लक्षणों के निदान एवं उपचार के अलावा भावनात्मक सहयोग, सामजिक एवं पारिवारिक सहयोग की आवश्यकता होती है जिसका ध्यान संस्थान में सभी अवस्था के मरीजों के लिए रखा जाता है। विभाग में पैलिएटिव केयर हेतु 30 बेड का अलग से वार्ड है. दर्द की श्रेणी के अनुसार मरीजों का इलाज किया जाता है, दर्दनिवारक के रूप में सामान्य पैरासिटामोल से लेकर वीक/स्ट्रांग ओपिओइड्स (WEAK/STRONG OPIOIDS), मॉर्फिन की सुविधा है। वर्ष 2003 में मात्र 1312 मॉर्फिन टेबलेट दी जाती थी जो 2025 में बढ़कर लगभग 20000 हो गयी। वर्ष 2014 में विभाग में कैंसर सर्जरी की सुविधा है, प्रतिवर्ष लगभग 500 से 700 मरीजों की नि:शुल्क सर्जरी की जाती है, यहाँ सामान्य सर्जरी के अलावा, मिनिमल इनवेसिव सर्जरी हाईपेक व पाईपेक (HIPAC, PIPAC) भी की जाती है। बाल्य एवं शिशु कैंसर केयर कठिन है, उन मरीजों अलग रूप से विशेष केयर की जरुरत पड़ती जिसमें उनके मानसिक दशा, डाईट, नार्मल ग्रोथ का भी ध्यान रखना जरुरी होता है। विभाग में बाल्य एवं शिशु कैंसर हेतु वर्ष 2018 में, अलग से ओपीडी एवं वार्ड संचालित हैं, जहां उनका विशेष ध्यान रखा जाता है। अब तक लगभग 1000 मरीज स्वास्थ लाभ ले चुके हैं।

कैंसर देखभाल: जागरूकता से इलाज तक

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी का कहना है कि करीब 10 साल पहले (लगभग 2015) कैंसर को लेकर सार्वजनिक जागरूकता सीमित थी। लोग इस विषय पर खुलकर बात करने से डरते थे और समाज में इससे जुड़ी भ्रांतियां अधिक थी। उस समय कैंसर जांच (स्क्रीनिंग) के बारे में जानकारी कम थी, जिसके कारण जांच कराने वालों की संख्या भी सीमित रहती थी। जानकारी के मुख्य स्रोत डॉक्टर, टीवी और पोस्टर हुआ करते थे। इलाज को लेकर आम धारणा यह थी कि कैंसर का मतलब सिर्फकीमोथेरेपी या रेडिएशन है। रोकथाम को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता था। सही और विस्तृत जानकारी का भी अभाव था। इसके विपरीत आज की स्थिति में कैंसर को लेकर खुली चर्चा हो रही है। अब जल्दी पहचान और स्क्रीनिंग पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है। जानकारी के स्रोतों में बड़ा बदलाव आया है। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। इलाज के क्षेत्र में भी व्यापक प्रगति हुई है, जहाँ अब इम्यूनोथेरेपी और टारगेटेड थेरेपी जैसे आधुनिक विकल्प उपलब्ध हैं। रोकथाम को महत्वपूर्ण माना जाने लगा है, विशेष रूप से HPV वैक्सीनेशन और स्वस्थ जीवनशैली पर ज़ोर है। हालांकि जानकारी की उपलब्धता बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही गलत जानकारी और अफवाहें भी बढ़ी हैं, जो एक नई चुनौती के रूप में सामने आई हैं।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के अधीक्षक क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में आधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सक दल और समग्र उपचार सुविधाओं के माध्यम से राज्य के प्रत्येक कैंसर मरीज तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। कैंसर को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांतियों से दूर रहें, समय पर जांच कराएं, रोकथाम को अपनाएं और केवल प्रमाणित एवं विश्वसनीय चिकित्सा संस्थानों से ही जानकारी प्राप्त करें। जागरूकता, समय पर पहचान और सही इलाज ही कैंसर से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है।

डॉ. संतोष सोनकर, अधीक्षक, HPV वैक्सीनेशन: 2015 में इसके बारे में जानकारी न के बराबर थी, लेकिन आज यह गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर (Cervical Cancer) से बचाव के लिए एक सशक्त माध्यम बन चुका है। आज WHO की गाइडलाइंस हैं। टेलीमेडिसिन और ऐप्स: आज मेटास्टेटिक कैंसर जैसी स्थितियों के लिए मरीज घर बेठे विशेषज्ञों से राय ले सकते हैं, जो 10 साल पहले संभव नहीं था।

जीनोमिक टेस्टिंग: अब इलाज सिर्फ वन साइज फिट्स ऑल' नहीं रहा। पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के जरिए मरीज के जेनेटिक प्रोफाइल के आधार पर सटीक इलाज किया जा रहा है। गलत जानकारी (Infodemic): जहाँ इंटरनेट ने जागरूक किया है, वहीं चमत्कारी घरेलू नुस्खों जैसे भ्रामक दावों ने जोखिम भी बढ़ाया है। हमेशा विश्वसनीय संस्थाओं की जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

मिट्टी की मर्यादा और जल की तपस्या से सजेगा 'हरित भविष्य'

उमाशंकर पांडेय

भारतीय कृषि की गाथा आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। दशकों पहले हमने खाद्यान्न की कमी वाले देश से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों और निर्यातकों की कतार में अपनी जगह बनाई । यह हमारी मेहनत और बेहतर बीजों, सिंचाई के विस्तार व रासायनिक उर्वरकों का ही परिणाम था । लेकिन आज जब मैं अपने गांव जखनी, जिला बांदा, उत्तर प्रदेश की मिट्टी को छूता हूं, तो विशेषज्ञ एक गंभीर चेतावनी देते सुनाई देते हैं। वे कहते हैं कि जिस रासायनिक बैसाखी के दम पर हमने तरक्की की, उसने हमारी मिट्टी और पाताल के पानी को गहरा जख्म दिया है ।

'साइलेंट वेल्थ' पर अदृश्य संकट

मिट्टी सिर्फ धूल नहीं, बल्कि देश की 'साइलेंट वेल्थ' (मौन संपदा है, जो हमारी पूरी खाद्यन्न व्यवस्था की नींव है । लेकिन यूरिया जैसे नाइट्रोजन उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग ने इस संपदा को खोखला कर दिया है। आज हमारी मिट्टी में सिर्फ मुख्य पोषक तत्वों की ही नहीं, बल्कि सल्फर, जिंक और बोरॉन जैसे सूक्ष्म तत्वों की भी भारी कमी हो गई है। नतीजा हमारे सामने है— मिट्टी की उपजाऊ शक्ति घट रही है और खेतों की पैदावार थम सी गई है। हमें अब '4R' के मंत्र को जीवन में उतारना होगा: सही स्रोत , सही खुराक , सही समय और सही स्थान। यह केवल तकनीक नहीं, बल्कि मिट्टी के प्रति हमारी जिम्मेदारी है ताकि पोषक तत्वों की बर्बादी न हो और पर्यावरण सुरक्षित रहे ।

जखनी का अनुभव: हर खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़

मेरी जीवन यात्रा सूखे से जूझते बुंदेलखंड के जखनी गांव से शुरू हुई । साल 2005 में जब कोई सरकारी सहायता नहीं थी। बारिश के साथ बहती मिट्टी को खेत में रोकने के लिए कोई योजना भी नहीं थी। तब हमने सामुदायिक एकजुटता से परंपरागत जल संरक्षण खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़ का अभियान शुरू किया । हमारा लक्ष्य सीधा था—बारिश की हर बूंद को खेत में रोकना और धरती की कोख(एक्वीफर)को फिर से भरना । आज गर्व होता है कि नीति आयोग ने इस

'जखनी मॉडल' को सराहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने मेड़बंदी सहित परंपरागत तरीके से जल संरक्षण के लिए देशभर के सरपंचों को पत्र लिखा। जिस बुंदेलखंड के बांदा, चित्रकूट जैसे जिलों में कभी गर्मियों में रेलगाड़ी से पानी आता था, वहां मेड़बंदी के कारण भू-जल स्तर में 1.34 मीटर तक का सुधार देखा गया है । लेकिन एक डर हमेशा बना रहता है—यदि हम जल तो बचा लें, पर उर्वरकों और रसायनों के जहर से मिट्टी को न बचा पाए, तो यह सारी मेहनत बेकार जाएगी । जल संरक्षण के साथ जैविक और प्राकृतिक खेती का संगम ही किसानों के लिए 'सोने पर सुहागा' साबित होगा ।

एकीकृत पोषण: परंपरा और तकनीक का मेल

भविष्य की कृषि का आधार एकीकृत पोषण प्रबंधन है। इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि हम उर्वरकों को पूरी तरह त्याग दें, बल्कि उन्हें जैविक खाद, बायो-फर्टिलाइजर और सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ संतुलित करें। सरकार भी इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है। फर्मेंटेड जैविक खाद और मोलासेस से निकलने वाले पोटाश को अब उर्वरक सब्सिडी के दायरे में लाया गया है, ताकि मिट्टी का ऑर्गेनिक कार्बन लेवल सुधारा जा सके । तकनीक भी अब किसान के दरवाजे पर है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड अब महज एक कागज नहीं, बल्कि किसान का गाइड बन रहा है । इसे 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' से जोड़ने की योजना है, जिससे हर खेत को उसकी जरूरत के हिसाब से 'पर्सनलाइज्ड' सलाह मिल सकेगी । गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र अब खेती के 'वन-स्टॉप हब' बन रहे हैं, जहां खाद से लेकर विशेषज्ञ सलाह तक सब एक छत के नीचे उपलब्ध है ।

नैनो क्रांति और नीतिगत सुधार

भारत आज नैनो फर्टिलाइजर के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। नैनो यूरिया और लिक्विड बायो-फर्टिलाइजर जैसे उत्पाद न केवल बर्बादी रोकते हैं, बल्कि पैदावार भी बढ़ाते हैं। 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाएं राज्यों को रासायनिक खादों का मोह छोड़ने और वैकल्पिक पोषक तत्वों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं । साथ ही, कृषि में ड्रोन का प्रवेश 'प्रिसिजन फार्मिंग' यानी सटीक खेती के सपने को सच कर रहा है। हालांकि, चुनौतियां अभी शेष हैं। यूरिया पर अत्यधिक सब्सिडी के कारण संतुलन अभी भी बिगड़ा हुआ है। हमें ऑर्गेनो-मिनरल फर्टिलाइजर के लिए एक स्पष्ट नियामक ढांचा चाहिए, ताकि खनिज और जैविक तत्वों का दोहरा लाभ खेतों तक पहुंच सके।

एक लचीला भविष्य

जैसे-जैसे भारत विकास के पथ पर अग्रसर होगा, सरकार, उद्योग व खेती करने वाले लोगों के बीच तालमेल बहुत जरूरी होगा। 4क्र के सिद्धांत को रसायनिक खादों के लिए अपनाने, खेती में आधुनिक तकनीक के विस्तार से बदलाव लाए जा सकते आज मिट्टी की सेहत को प्राथमिकता देकर, भारत का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। 2026 की देहरी पर खड़े होकर जब हम विकसित भारत का सपना देखते हैं, तो उसका रास्ता हमारे खेतों की मेड़ों से होकर ही जाता है।

(लेखक पद्मश्री से सम्मानित, जलयोद्धा है।)

राज्यपालों की भूमिका पर फिर खिंची तलवारें

प्रमोद जोशी

मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुत: समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, राजनीतिक संस्कृति में है।

तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक विधानसभाओं में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच टकराव की खबरें इस साल भी आई हैं। ऐसा किसी न किसी रूप में पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्तमान टकराव राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए अभिभाषणों के पढ़ने से जुड़ा है। प्रत्यक्षत: ऐसा अनजाने में नहीं हो रहा है। इन मामलों से जुड़े सभी पक्ष संवैधानिक व्यवस्थाओं और उनसे जुड़ी मर्यादा-रेखाओं से भली भांति परिचित हैं। राज्यपाल जानते-समझते हैं और राज्य सरकारें भी। तब ऐसा क्यों होता है? इन राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपालों के रिश्ते काफी समय से तनावपूर्ण रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होने वाले राज्यपालों के 'एट होम' कार्यक्रमों का बहिष्कार कर चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच सीधा संवाद बहुत कम है। इस वक्त तो चुनाव करीब हैं, इसलिए माहौल में वैसे ही गर्मी भरी है।

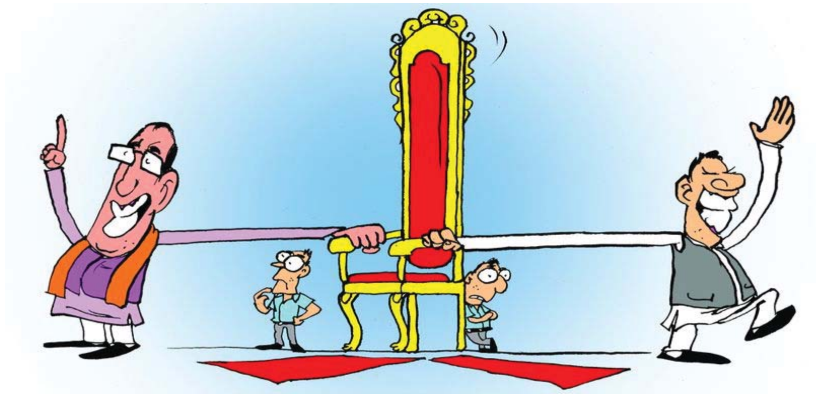

दक्षिण के जिन तीन राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं, उनमें इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही पार्टियों की सरकारें हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के विरोध में हैं। ऐसे विवाद होते ही तभी हैं, जब केंद्र और राज्य की सरकारों का आपसी विरोध हो। बंगाल और पंजाब में भी इससे मिलते-जुलते प्रकरण हुए हैं। राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित सरकारों द्वारा तैयार किए गए भाषणों या विशेष संबोधनों को हूबहू पढ़ना एक संवैधानिक परंपरा है। यह ब्रिटिश परंपरा है, जिस पर आधारित भारत की संसदीय प्रणाली में भी उन्हीं परंपराओं के पालन की उम्मीद की जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ब्रिटिश राजा या रानी ने आधिकारिक भाषण को लेकर ना-नुकुर की हो।

देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच बहुत से मामलों में मतभेद थे, पर उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं किया, जिससे संसदीय मर्यादा भंग हो। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने 1998 के गणतंत्र दिवस संबोधन में कुछ बदलाव किया था। कुछ दूसरे मौकों पर भी उन्होंने प्रस्तावित मसौदों में संशोधन किए थे, ताकि भाषण का स्वर और संदेश उनके विचारों के अनुरूप हो। ऐसे मौके संसद से बाहर के वक्तव्यों में ज्यादा देखे गए।

उनके दृष्टिकोण और अब हो रहे टकराव में फर्क है। अब इसने राजनीतिक टकराव की शक्ल ले ली है। मसलन कर्नाटक के प्रसंग को देखें, जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गत 22 जनवरी को विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। गहलोत के इस कार्य को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा, संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल की ओर से तैयार पूरा भाषण पढ़ना चाहिए।

उधर राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण के पैरा नंबर 11 पर नाराज थे, जिसमें इनमें लिखा है कि केंद्र सरकार ने यूपीए काल में शुरू की गई मनरेगा योजना को कमजोर किया है। उसका बजट घटाया है, जिससे ग्रामीण रोजगार प्रभावित हुआ है। वस्तुत: यह केंद्र-राज्य संबंधों का महत्त्वपूर्ण पहलू है। सवाल है कि राज्य सरकारों के पास असहमति व्यक्त करने का क्या यही रास्ता बचा है? और क्या राज्यपालों के पास अपने विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार है?

सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से सीधे राज्यपाल के माध्यम से केंद्र की आलोचना करनी चाहिए? आखिरकार राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक पद है। उसे राज्य में केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है, न कि राज्य सरकार के प्रवक्ता के रूप में। पर क्या केंद्र सरकार को उनके माध्यम से राज्य सरकारों पर दबाव बनाना चाहिए?

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ लगातार टकराव चलने के कारण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानमंडल के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने का समर्थन किया है। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987-1992) आर वेंकटरमण ने राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधायिका के समक्ष पारंपरिक अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने की सिफारिश कई बार की थी। वे इस औपनिवेशिक प्रथा को अनावश्यक और असंवैधानिक मानते थे।

फरवरी 1988 में संसद में अपना पहला अभिभाषण देने से पहले उन्होंने सरकार को सुझाव दिया था कि 'मेरी सरकार' के स्थान पर 'सरकार' शब्द का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा, यह प्रथा ब्रिटिश विरासत का हिस्सा है और भारत में प्रासंगिक नहीं है। भारत का संविधान स्वयं जनता द्वारा संविधान सभा के माध्यम से बनाया गया था। ऐसे में देश के राष्ट्रपति द्वारा 'मेरी सरकार' कहना 'अनुचित' है। इस व्यवस्था को समाप्त करने से कोई नुकसान नहीं होने वाला है, क्योंकि अनुच्छेद 86 और 175 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपालों के पास विधायिका को संबोधित करने का अधिकार तब भी बना रहेगा।

अतीत में कई राजनेताओं ने राज्यपाल का पद ही खत्म करने का सुझाव दिया है। थोड़ी देर के लिए मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुत: समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, हमारी राजनीतिक-संस्कृति में है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अंतिम भाषण के दौरान यह ऐतिहासिक चेतावनी दी, 'संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसे लागू करने वाले लोग बुरे साबित हुए, तो संविधान भी बुरा साबित होगा।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की सफलता केवल इसके प्रावधानों पर नहीं, बल्कि इसे अमल में लाने वालों की नैतिकता और ईमानदारी पर निर्भर करती है।

ऐसे मतभेद और टकराव भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है। आज केंद्र में बीजेपी की सरकार है और वह काफी कुछ वैसा ही कर रही है जैसा कांग्रेस ने दशकों तक किया। हम सैकड़ों साल पुरानी ब्रिटिश परंपराओं पर देश को चलाना चाहते हैं, तो पिछले कुछ दशकों की अपनी परंपराओं पर भी नज़र डालनी चाहिए। सच यह है कि जब दो विपरीत राजनीतिक विचारों की सरकारें केंद्र और राज्य में होती हैं, तब राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के बीच प्रभावी संवाद चैनल होना चाहिए, क्योंकि जनता के लिए आवश्यक प्रशासनिक कार्यों के लिए दोनों के बीच समन्वय की जरूरत होती है।

मूल मुद्दा राज्यपाल पद का राजनीतिकरण है। इसका समाधान क्या है? एक काम फिर भी किया जा सकता है वह है सरकारिया और पंछी आयोग की सिफारिशें। सरकारिया (1983-88) और पंछी आयोग (2007-10) ने राज्यपाल की नियुक्ति में निष्पक्षता, मुख्यमंत्री से परामर्श, और सक्रिय राजनीति से दूर रहने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों के चयन की सिफारिश की थी।

दोनों आयोगों का मुख्य उद्देश्य राज्यपाल पद को केंद्र के राजनीतिक एजेंट के बजाय एक तटस्थ संवैधानिक पद बनाना और राज्य के बाहर के व्यक्ति को नियुक्त करना है। इसके अनुसार, संविधान में यह प्रावधान करने के लिए संशोधन किया जा सकता है कि राज्यपालों की नियुक्ति से पहले राज्यों के मुख्यमंत्रियों से परामर्श किया जाएगा।

-लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जोन आयुक्त ने निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन–2 वैशाली नगर जोन आयुक्त येशा लहरे ने सिंधु भवन मार्ग में निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किया। स्थानीय नागरिको का मांग था कि सुगम यातायात हेतु सड़क बनाया जाये। समीपस्थ प्राइवेट समिति द्वारा सुन्दर नगर पार्क बनाया गया है, जिसका अवलोकन किया गया। उपस्थित नागरिको द्वारा उद्यान एवं सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था की मांग की गई जिसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

आयुष्मान वय वंदन कार्ड अपडेट कार्य जारी

भिलाई। आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलता है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्तों को निर्देशित किये है, कि शहर के 70 वर्ष या उससे अधिक वरिष्ठ नागरिको का वय वंदन कार्ड अपडेट किया जाना है। कर्मचारी डोर–टू–डोर जाकर नागरिको से संपर्क रहे है, जिनका आयुष्मान वय वंदन कार्ड अपडेट नहीं हुआ है, उसे मौके पर ही किया जा रहा है। इस योजना में लगभग 2000 से अधिक मेडिकल प्रक्रियाओं के लिए मुफ्त इलाज, जिसमें सर्जरी, निदान और पुरानी बीमारियों का इलाज शामिल है।

भिलाई निगम से 8 अधिकारी एवं कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई से सेवानिवृत्त होने वाले 8 अधिकारी/कर्मचारियों को स–सम्मान बिदाई दी गई। अधीक्षण अभियंता संजय कुमार शर्मा, दीपक जोशी, समयपाल/कार्य सहायक ग्रेड–2 दामोदर सिंह वर्मा, डाटा एन्ट्री आपरेटर विश्वजीत सेनगुप्ता, पम्प सहायक सुदामा कुमार परगनिहा, चैकीदार रामकुमार शर्मा, सफाई कामगार मंगलराम एवं रेजा जमुना बाई को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

डॉ. दीप्ति बनी आईडीए की अध्यक्ष, डॉ. सायली सचिव

भिलाई। इंडियन डेंटल एसोसिएशन दुर्ग–भिलाई ब्रांच के 2026–27 की वार्षिक बैठक व नई समिति की स्थापना रविवार को सुपेला के होटल में हु?ई। इस दौरान अध्यक्ष पद पर डॉ. दीप्ति राठौर, सचिव डॉ. सायली कुरैशी, उपाध्यक्ष डॉ. दीक्षाली इंदुरकर व डॉ. सविता कब्डवाल, सहसचिव डॉ. नावेद खान, सहायक सचिव डॉ. साकेत बंछोर, कन्वेनर डेंटल एडुकेशन डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डॉ. आस्था श्रीवास्तव, कन्वेनर डेंटल हेल्थ डॉ. रजत जैन, रिप्रेजेंटेटिव केंद्र डॉ. सुयोग जैन, रिप्रेजेंटेटिव राज्य डॉ. श्रेणिक नाहटा और एडिटर ऑफ जनरल डॉ. रिया जैन की नियुक्ति की गई। कार्यक्रम में हेलिओन सेनसोडाईन की ओर से अन्नु का विशेष सहयोग रहा। 2025 की अध्यक्ष डॉ. फातिमा खान ने सभी सदस्यों का आभार जताया।

ई-ऑफिस प्रक्रिया के अनुपालन में संभाग कार्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ प्रदेश में अव्वल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग संभाग कार्यालय ई–ऑफिस के माध्यम से फाईल निपटाने में प्रदेश के अन्य संभाग कार्यालयों में अव्वल है। एक जनवरी से लागू इस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग में शिकायत, स्थापना, लाइसेंस और राजस्व भू–आबंटन से संबंधित 919 आवेदनों का ई–ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया है। जबकि सरगुजा कार्यालय द्वारा 828, बस्तर द्वारा 641, बिलासपुर द्वारा 142 एवं संभाग कार्यालय रायपुर द्वारा 79 आवेदन ई–ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दुर्ग जिला ई–ऑफिस काउंट में 8,100 प्रकरण के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने आज संभागीय कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समय–सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी देते हुए सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में भी ई–ऑफिस के माध्यम से आवेदन पंजीबद्ध करने पर जोर दिया। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि ई–ऑफिस के क्रियान्वयन एक प्रशासनिक प्रक्रिया है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी काम–काज में पारदर्शिता लाना, फाईलों के निपटान में तेजी लाना और पेपरलेस गर्वनेंस को बढ़ावा देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई–ऑफिस केवल एक साफ्टवेयर नहीं है बल्कि कार्य संस्कृति में बदलाव है। सभी विभाग प्रमुख सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ कर्मचारियाँ प्रतिदिन लांग–इन करें और ई–फाईलों का निपटान प्राथमिकता के आधार पर करें। संभाग आयुक्त राठौर ने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए अवगत कराया कि सभी शासकीय कार्यालयों के अधिकारी/कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति जरूरी है। अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित समयानुसार कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रक्रिया के आधार पर एक्शन लिया जा सकता है।

नगर निगम की बैठक में मंदिरों के जीर्णोद्धार का निर्णय, धूमधाम से मनाया जाएगा शिवरात्रि पर्व

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण को मिलेगी रफ्तार: समिति ने बजट व आयोजन पर किया मंथन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन और सांस्कृतिक पर्यटन, मनोरंजन एवं विरासत संरक्षण समिति की प्रभारी हर्षिका संभव जैन की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने आगामी 15 फरवरी को होने वाली महाशिवरात्रि, विभिन्न वार्षिक सांस्कृतिक आयोजनों तथा बजट प्रस्तावों पर विस्तृत विमर्श किया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष महाशिवरात्रि का मुख्य आयोजन शिवनाथ सरोवर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। आयोजन में विभिन्न धार्मिक–सांस्कृतिक गतिविधियों, झांकियों एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके साथ–साथ शहर के सभी वार्डों में मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक मरम्मत, रंग–रोगन, प्रकाश व्यवस्था एवं साफ–सफाई को अभियान के रूप में किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

शहर सुंदरता अभियान को मिलेगी गति समिति सदस्यों ने यह स्पष्ट किया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ शहर की सुंदरता और विरासत संरक्षण भी प्राथमिकता में रहेगा। इस संदर्भ में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी शहर के चौक–चौराहों पर स्थापित मूर्तियों की साफ-सफाई, मरम्मत और संरक्षण किया जाएगा।शहर के सभी उद्यानों, गार्डन और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंडई मेले में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को मंच उपलब्ध कराया जाएगा जिससे स्थानीय कलाकारों को बढ़ावा मिले।

इन प्रयासों से नगर निगम न केवल शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना चाहता है बल्कि आम नागरिकों को स्वच्छ, आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण प्रदान करना चाहता है।

हर वार्ड में पुस्तकालय, शिक्षा व जागरूकता की दिशा में कदम

सुझाव दिया गया कि शहर के प्रत्येक वार्ड में पुस्तकालय की स्थापना की जाए, जिससे बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को ज्ञानवर्धक संसाधन उपलब्ध हों। यह पहल शहर को एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी। सालभर होने वाले प्रमुख आयोजनों के बजट पर गहन चर्चा समिति ने वर्षभर आयोजित होने वाले कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बजट पर भी विस्तृत चर्चा की।

इन आयोजनों पर चर्चा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह, दुर्ग आइडल (स्थानीय प्रतिभाओं को मंच), महाशिवरात्रि उत्सव, दुर्ग मंडई,सावन मेला, तीजा–पोला महोत्सव, इन सभी आयोजनों का उद्देश्य दुर्ग की सांस्कृतिक धरोहर, लोककला, परंपराओं और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाना है।

टीम भावना को मजबूत करने मैत्रीपूर्ण व्हॉलीबाल आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। टीम भावना, आपसी समन्वय एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 30 जनवरी 2026 को टीम ओएचपी एवं एसपी–3 के मध्य एक मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच का आयोजन ओएचपी–बी परिसर में किया गया। यह आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (एसपी–3 एवं ओएचपी) सजीव वर्गीज के नेतृत्व में संचालित टीम–बिल्डिंग पहल का हिस्सा था।

इस मैच में टीम ओएचपी का नेतृत्व महाप्रबंधक (प्रचालन) मनीष सिंह ने किया, वहीं टीम एसपी–3 का नेतृत्व अरुण बेडेकर द्वारा किया गया। दोनों इकाइयों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर आयोजन को ऊर्जावान एवं जीवंत स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) तुषार कान्त, मुख्य महाप्रबंधक (एसपी–3 एवं ओएचपी) सजीव वर्गीज तथा महाप्रबंधक (प्रभारी) राहुल बिजुरकर की उपस्थिति ने खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

मैच ने अधिकारियों को एक मंच पर एकत्रित कर आपसी समन्वय, ऊर्जा एवं सौहार्द का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त खेल गतिविधियाँ न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य वातावरण एवं बेहतर कार्य–संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

दुर्ग निगम ने बनाए 60 डॉग फीडिंग सेंटर

■ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर तेजी से किया गया अमल

दुर्ग। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग नगर निगम ने शहर में कुल 60 डॉग फीडिंग सेंटरों का निर्माण पूरा कर लिया है। निगम अधिकारियों के अनुसार ये सभी केंद्र निर्धारित समय–सीमा से पहले ही तैयार कर लिए गए, जिससे सड़क पर रहने वाले कुत्तों को नियमित भोजन और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा सके।

इन सेंटरों में खाने और पानी के लिए अलग–अलग व्यवस्थाएँ की गई हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। कई स्थानों पर लोग भी आगे आकर इन केंद्रों पर स्वच्छ भोजन डाल रहे हैं और निगम की पहल को सहयोग दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पशुओं की सुरक्षा और नियंत्रण के लिए दिए गए निर्देशों के अनुरूप नगर निगम ने एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर भी सक्रिय कर दिया है। यहाँ कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और एंटी–रेबीज इंजेक्शन की पूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विशेषज्ञ टीम नियमित रूप से कुत्तों को पकड़कर सेंटर में लाती है, जहाँ मेडिकल प्रक्रिया के बाद उन्हें उनके मूल क्षेत्र में वापस छोड़ा जाता है। नगर निगम आयुक्त अग्रवाल का कहना है कि शहर में कुत्तों की बढ़ती संख्या को मानवीय तरीके से नियंत्रित करना आवश्यक है, ताकि नागरिकों की सुरक्षा के साथ–साथ पशुओं के प्रति संवेदनशीलता भी बनी रहे। इसी उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने यह भी बताया कि आने वाले समय में डॉग फीडिंग सेंटरों की मॉनिटरिंग को और मजबूत किया जाएगा तथा लोगों को भी निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे निर्धारित स्थानों पर ही भोजन डालें, जिससे शहर में स्वच्छता बनी रहे।

गर्मी पूर्व पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने कवायद

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आसन्न ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पानी की सुचारू सप्लाई व्यवस्था के लिए नगर निगम के जल कार्य विभाग द्वारा महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर शहर में पेयजल व्यवस्था में होने वाले खामियों को दूर करने निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

विभिन्न स्थानों पर छोटे बड़े लीकेज कार्य संधारण निरंतर जारी हैं। वहीं बस स्टैंड के सामने जल गृह विभाग में स्थापित शहर की सबसे पुराने 11 एमएलडी फिल्टर प्लांट में संधारण कार्य प्रगति पर है। इस प्लांट का आज जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने अपने विभागीय समिति के सदस्यों के साथ अवलोकन कर अधिकारियों को शीघ्र कर सप्लाई व्यवस्था नार्मल करने के निर्देश दिए।

इस दौरान समिति के सदस्य एवं पार्षद कमल देवांगन गुलाब वर्मा जल विभाग अभियंता विनोद मांझी जल कार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

उल्लेखनीय की 11 एमएलडी फिल्टर प्लांट दुर्ग शहर के सबसे पुरानी व पहला प्लाट है जहां से अविस्तरित दुर्ग शहर में पानी सप्लाई होता था। किंतु आबादी के विस्तार के बाद अब इस प्लांट से केवल शहर के मध्य कुछ वार्ड में ही पानी सप्लाई की जाती है जो शिक्षक नगर, जल गृह कार्यलय स्थित नई पुरानी टंकियों के माध्यम से तकिया पारा, तमेर पारा संतरा बाड़ी पोलसाय पारा केलाबाड़ी जैसे क्षेत्रों में पानी सप्लाई की जाती है।

अभी कुछ दिनों से संधारण कार्य के चलते उपरोक्त टंकियों में वैकल्पिक रूप से 11 एमएलडी प्लांट के बजाय रायपुर नाका स्थित बड़े प्लांट से पानी भरकर सप्लाई किया जा रहा है लेकिन शीघ्र ही ईस प्लांट के सभी तकनीकी कार्यो को पूर्ण कर गर्मी से पूर्व सही ढंग से सप्लाई व्यवस्था किया जाएगा जिसके पश्चात गर्मी में संबंधित सप्लाई वार्ड में काफी हद तक पेयजल आपूर्ति नियंत्रित होगा।

आप भी जानिए : रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल पहुंचा परिवार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के मानव संसाधन कार्यालय, मिल्स जोन–2 द्वारा रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में कार्यरत कार्मिकों की पत्नियों के लिए आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन 31 जनवरी 2026 को मानव संसाधन विकास केन्द्र (एचआरडीडी) में किया गया। कार्यक्रम में सीजीए (आरएसएम एवं आरटीएस) टी. दस्तीदार, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन–संकार्य) संजय द्विवेदी तथा उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन–मिल्स एवं एमएंडएस) प्रताप शेखर नायक उपस्थित थे।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन–संकार्य) संजय द्विवेदी ने कार्मिकों की पत्नियों का स्वागत करते हुए उनसे अपने जीवनसाथियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने हेतु निरंतर प्रेरित करने का आह्वान किया।

महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि आप भी जानिए कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत कार्मिकों की कार्यस्थलीय परिस्थितियों एवं कार्यप्रणाली से उनकी पत्नियों को अवगत कराना है, जिससे वे कार्य परिवेश को समझते हुए पारिवारिक स्तर पर सहयोग प्रदान कर सकें।

मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) टी. दस्तीदार ने अपने उद्बोधन में कार्मिकों की पत्नियों से आग्रह किया कि वे अपने जीवनसाथियों को सुरक्षित ढंग से कार्य करने हेतु प्रेरित करें। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ड्यूटी पर जाने और लौटने के समय पारिवारिक वातावरण का शांत एवं तनावरहित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भ्रमण से पूर्व, विभागीय सुरक्षा अधिकारी (रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल) सुनील कुमार शुक्ला द्वारा प्रतिभागियों को आवश्यक सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात् कार्मिकों की पत्नियों को रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल, कोक–ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस–3, रोज गार्डन तथा यूआरएम का भ्रमण कराया गया। कुल 22 महिलाओं ने सहभागिता की।

अंत में उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन–मिल्स एवं एमएंडएस) प्रताप शेखर नायक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। मानव संसाधन कार्यालय ने फीडबैक भी प्राप्त किया। सम्मिलित कार्मिकों की पत्नियों ने संयंत्र प्रबंधन एवं मानव संसाधन कार्यालय, मिल्स जोन–2 का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की।

वूमेन फॉर ट्री के महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत 12500 पौधा रोपण कर संधारण एवं रखरखाव करने वाली 125 महिलाओं को तीन माह का मानदेय जारी किया गया है।

वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत कार्यरत 40 महिला स्व सहायता समूहों को माह अगस्त 2025, सितम्बर 2025 एवं अक्टूबर 2025 का मानदेय राशि रू. 27,23,802.00 का भुगतान एसएनए स्पर्श के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य शहरी विकास अभिकरण, नवा रायपुर को दिनांक 03.12.2025 को प्रेषित किया गया था। उक्त राशि निगम के खाते में दिनांक 02.02.2026 को प्राप्त होने के उपरांत तत्काल निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा सभी 40 महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया है। शेष 2 माह नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 का मानदेय भुगतान हेतु शासन को लगभग 1 माह पूर्व देयक प्रेषित किया गया है। राशि प्राप्त होने पश्चात शेष 2 माह का मानदेय भी भुगतान किया जायेगा।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के प्रसव-पूर्व एवं प्रसव-पश्चात नियमित निगरानी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की देखभाल में किसी भी तरह की कोताही न हो। कलेक्टर पन्ना के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र शामपुर में स्वास्थ्यकर्मियों की गंभीर लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित आरएचओ को तीन माह का अवैतनिक तथा सीएचओ की सेवा समाप्ति की कार्रवाई की गई है।

कानून की बारीकियों के साथ रचनात्मकता का संगम

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में विधिक ज्ञान और कलात्मकता का एक अनूठा संगम देखने को मिला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वाधान में अग्रिम विवेचना, जमानत एवं इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस जैसे गंभीर, प्रासंगिक और समसामयिक विषयों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रातः 10:00 बजे आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने कानून के तकनीकी पहलुओं को बहुत ही सरल अंदाज में प्रस्तुत किया। पल्लवी गुप्ता ने 'अग्रिम विवेचना' की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक बेहतर विवेचना ही न्याय की नींव होती है। शिक्षा मेश्राम ने 'जमानत' के नवीनतम प्रावधानों और प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए डिजिटल प्रशासन के निर्देश

गरियाबंद। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज कलेक्टर बी.एस. उइके की अध्यक्षता में समय-सीमा की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों की प्रगति, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति पर विभागवार चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की जवाबदेही, पारदर्शिता और कार्य प्रगति को मजबूत करने के लिए सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करना अनिवार्य है। कलेक्टर उइके ने बैठक के दौरान मुख्य सचिव के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी विभाग प्रमुख एवं अधीनस्थ कर्मचारी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। अधिकारी-कर्मचारी समय पर उपस्थिति दर्ज कर अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीरता से पालन करें।

राजिम कुंभ में मुख्य मंच बना छत्तीसगढ़ी संस्कृति की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के दूसरे दिन मुख्य मंच पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की भव्य और मनोहारी छटा देखने को मिली। देश-प्रदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं और दर्शकों के बीच प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने छत्तीसगढ़ की लोककला, शास्त्रीय नृत्य और परंपराओं को एक नई पहचान दी।

कार्यक्रम की शुरुआत इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की पीएचडी शोधार्थी सुश्री लीली चौहान द्वारा प्रस्तुत कथक नृत्य से हुई। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से कथक की भाव भंगिमाओं और मुद्राओं को मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए और हर नृत्य शैली पर तालियों की गूंज सुनाई देती रही।

इसके पश्चात लोकप्रयाग मंच की झमाझम प्रस्तुतियों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से परिचय कराया। लोकप्रयाग के कलाकारों ने अपनी पहली प्रस्तुति में मां जगदंबा का स्मरण करते हुए मोर दंतेश्री महामाई गीत प्रस्तुत किया, जिससे दर्शकों को मंच से ही बस्तर स्थित मां दंतेश्वरी के दर्शन का अनुभव हुआ।

इसके बाद छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार की प्रस्तुति से जमकर सराहना मिली। कार्यक्रम की कड़ी में आगे बड़ी माटी मोर भुइयां... जैसे गीतों ने दर्शकों का ध्यान किसानों और मिट्टी से जुड़ी संस्कृति की ओर खींचा, वहीं प्रसिद्ध गीत सास गारी दीहि... ने एक बार फिर दर्शकों को अपने लोक-संगीत के जादू में बांध लिया। लोक कलाकारों ने विलुप्त हो रही लोकविधाओं जैसे बांसगीत और जय गंगान की प्रस्तुति से उन्हें पुनर्जीवित करने का सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मोर छत्तीसगढ़ हे महान, जिहां बसे राजिम धाम... गीत की प्रस्तुति पर पूरा पंडाल राजिम की जय-जयकार से गूंज उठा। इसके साथ ही आदिवासी अंचलों में प्रचलित नृत्यों की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम के समापन पर सभी कलाकारों का सम्मान प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

रायपुर से राजिम चल रही कुंभ स्पेशल मेमू ट्रेनें, प्रतिदिन लगा रही 6 फेरे

राजिम कुंभ मेला 2026 में रेल वन ऐप के प्रचार हेतु रायपुर रेल मंडल का विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ मेला 2026 में प्रदेश सहित देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा यात्रियों को रेलवे सेवाओं की जानकारी सरल एवं त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेल वन ऐप के प्रचार हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत 01 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक राजिम कुंभ मेला क्षेत्र में प्रतिदिन सहायता डेस्क/हेल्प डेस्क स्थापित की जा रही है। इन हेल्प डेस्कों पर रेलवे के वाणिज्य निरीक्षक एवं वाणिज्य कर्मचारी यात्रियों को रेल वन ऐप डाउनलोड करने, इसके उपयोग की प्रक्रिया तथा इसमें उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दे रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेल वन ऐप के माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग, ट्रेन की लाइव स्थिति, पीएनआर स्टेटस, शिकायत निवारण, रेल मदद, स्टेशन सुविधाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण रेलवे सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकते हैं।

मेमू कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों की समय-सारणी: जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 08755 (रायपुर-राजिम मेमू पैसेंजर) रायपुर रेलवे स्टेशन से 11.55 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मंदिर हसौद 12.15 बजे, सीबीडी (पीएच) 12.24 बजे, केंद्री 12.34 बजे, अभनपुर 12.49 बजे, मानिकचौरी 12.57 बजे होते हुए 13.20 बजे राजिम पहुंचेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 08756 (राजिम-रायपुर मेमू स्पेशल) राजिम रेलवे स्टेशन से 14.00 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन मानिकचौरी 14.07 बजे, अभनपुर 14.14 बजे, केंद्री 14.22 बजे, सीबीडी (पीएच) 14.31 बजे, मंदिर हसौद 14.43 बजे रुकते हुए 15.30 बजे रायपुर पहुंचेगी।

इसके अतिरिक्त दूसरी जोड़ी मेमू ट्रेनों का संचालन भी किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08757 (रायपुर-राजिम मेमू पैसेंजर) रायपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर मंदिर हसौद 14.48 बजे, सीबीडी (पीएच) 14.49 बजे, केंद्री 15.09 बजे, अभनपुर 15.23 बजे, मानिकचौरी 15.31 बजे होते हुए 16.00 बजे राजिम पहुंचेगी।

वहीं गाड़ी संख्या 08758 (राजिम-रायपुर मेमू स्पेशल) राजिम से 20.30 बजे रवाना होकर मानिकचौरी 20.37 बजे, अभनपुर 20.44 बजे, केंद्री 20.52 बजे, सीबीडी (पीएच) 21.04 बजे, मंदिर हसौद 21.12 बजे रुकते हुए 22.00 बजे रायपुर पहुंचेगी।

रायपुर से राजिम चल रही कुंभ स्पेशल मेमू ट्रेन

राजिम कुंभ मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल द्वारा रायपुर-राजिम रेलखंड पर 2 मेमू कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष रेल सेवा 1 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक उपलब्ध रहेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस व्यवस्था से कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही सड़क मार्ग पर बढ़ने वाले यातायात दबाव में भी कमी आएगी।

राम वन गमन पथ की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, मेलार्थियों को लुभा रहा पौराणिक दृश्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 के नवीन मेला मैदान में महोत्सव मंच के दाईं ओर निर्मित राम वन गमन पथ की भव्य झांकी श्रद्धालुओं और मेलार्थियों के आकर्षण का केंद्र बन गई है। झांकी में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की सजीव प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जिन्हें देखने के लिए लोग स्वतः ही खिंचे चले आ रहे हैं। झांकी स्थल पर बड़ी संख्या में लोग रुककर दर्शन कर रहे हैं और फोटो खिंचवा रहे हैं, जिससे यह क्षेत्र एक तरह से अघोषित सेल्फी जोन का रूप ले चुका है।

झांकी में भगवान श्रीराम के वनवास काल का दृश्य अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उल्लेखनीय है कि भगवान श्री राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ की धरती पर व्यतीत किया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कोरिया जिले के सीतामढ़ी हर चौका से प्रवेश कर कोंटा के रामाराम तक फैले दंडकारण्य क्षेत्र से होकर भगवान राम गुजरे थे और लगभग बारह वर्षों तक इस क्षेत्र में निवास किया। लगभग 1400 किलोमीटर की इस ऐतिहासिक यात्रा को झांकी के माध्यम से सजीव रूप में दर्शाया गया है।

झांकी के चारों कोनों में भगवान राम के चरणकमलों के छायाचित्र विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें रामगढ़ की पहाड़ियां, शिवरीनारायण, चंद्रखुरी, राजिम, धमतरी और सुकमा जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। झांकी के पीछे भगवान शिवशंकर की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है।

किसान कल्याण हेतु ऐतिहासिक बजट किसानों की आय दोगुनी: दक्ष वैद्य साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी दक्ष वैद्य साहू ने केंद्रीय बजट 2026 की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी दस्तावेज करार दिया, जो विशेष रूप से किसानों के हितों को मजबूत करने वाला सिद्ध होगा।

किसानों के लिए बजट की प्रमुख योजनाओं के विषय में दक्ष वैद्य साहू ने बताया कि बजट में कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को साकार करने वाली कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रावधान किया गया है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में 2 लाख करोड़ का अतिरिक्त निवेश, ग्रामीण भंडारण क्षमता बढ़ाने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देकर किसानों को फसल बिक्री में न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा।

दक्ष वैद्य साहू ने आगे बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए 5 वर्षीय योजना के तहत प्रशिक्षण और बीज वितरण, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो और मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सशक्तिकरण 10,000 नई एफपीओ गठन के लिए 6,000 करोड़ का कोष, जिससे छोटे किसान बाजार तक सीधी पहुंच बना सकें और बिचौलियों का शोषण रुके। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि फसल बीमा योजना का विस्तार पीएम फसल बीमा योजना को सभी फसलों और क्षेत्रों में विस्तृत कर जोखिम कवरेज 50% तक बढ़ाया जाएगा, साथ ही दावा निपटान प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर 30 दिनों में भुगतान सुनिश्चित सिंचाई एवं जल संरक्षण पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत 5 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई, जिससे जल उपयोग दक्षता 2 गुना हो किसान कल्याण के अन्य प्रावधान।

दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि बजट में किसानों के लिए मछली पालन, डेयरी और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया गया है। मास उत्पादन के लिए 2,000 करोड़ का ब्लू रिवोल्यूशन फंड और डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 50,000 करोड़ का प्रावधान किसानों को विविध आय स्रोत प्रदान करेगा। इसके अलावा, डिजिटल कृषि मिशन से किसानों को मौसम पूर्वानुमान, बाजार मूल्य और सलाह सीधे मोबाइल पर उपलब्ध होगी यह बजट न केवल किसानों की आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध कर पूरे देश को विकसित बनाने का आधार तैयार करता है। दक्ष वैद्य साहू ने सभी किसान बंधुओं से अपील की कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर भारत अभियान का हिस्सा बनें।

सनातन आस्था का प्रतीक धर्म ध्वज लोमष ऋषि आश्रम में लहराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कल्प कुंभ मेला 2026 के तीसरे दिन लोमष ऋषि आश्रम में धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा के अनुरूप धर्म ध्वज विधिवत रूप से फहराया गया। आश्रम परिसर में उपस्थित साधु-संतों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच यह पावन आयोजन संपन्न हुआ।

ध्वज दंड में पूर्व से लिपटे भगवा वस्त्र को उतारकर नए वस्त्र धारण कराए गए। इसके पश्चात लंबे और ऊंचे बांस के ध्वज दंड को भूमि में विधिवत गाड़कर धर्म ध्वज फहराया गया। इस दौरान पूरा आश्रम परिसर हर-हर महादेव और जय सनातन धर्म के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर संत गोकुल गिरी महाराज ने बताया कि वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष लोमष ऋषि आश्रम में धर्म ध्वज फहराने की परंपरा निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह ध्वज सनातन धर्म की रक्षा, एकता और परंपरा का प्रतीक है। ध्वजारोहण से पूर्व विधिवत ध्वज पूजन भी किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ संत मंडल के अध्यक्ष महंत उमेशानंद गिरी महाराज सहित गोपाल गिरी महाराज, सनत महाराज, राघवेंद्र गिरी महाराज, महंत भीम गिरी महाराज, सत्यानंद महाराज, परमेश्वर गिरी महाराज, तारक भारती महाराज, लालपुरी महाराज, दत्तपुरी महाराज सहित अनेक साधु-संतों की उपस्थिति रही।

6 फरवरी निकाली जाएगी पेशवाई

गोकुल गिरी महाराज ने बताया कि वर्तमान में जूना और आवाहन अखाड़ा के साधु-संत राजिम पहुंच चुके हैं। आगामी 6 फरवरी को साधु-संतों द्वारा भव्य पेशवाई निकाली जाएगी, जो महाप्रभु दत्तात्रेय मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए लोमष ऋषि आश्रम पहुंचेगी। इस अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के उप संचालक प्रताप चंद पारख सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

संत परंपरा अनुसार करते हैं धर्म ध्वजा की स्थापना

बता दें कि संत परम्परा में ऐसी मान्यता है कि जिस तीर्थ स्थान में कुंभ, अर्ध कुंभ या कल्प कुंभ होता है वहां नागा साधुओं की उपस्थिति से कुंभ की सार्थकता होती है। नागा साधु अपने अपने अखाड़ों और संत परम्परा के अनुसार ध्वजारोहण कर धर्म ध्वजा की स्थापना करते हैं। उसी के बाद नागा सम्प्रदाय के साधु कुंभ में आकर पर्व स्नान, शाही यात्रा जैसे आयोजनों का हिस्सा बनकर कुंभ के महत्व को पूर्ण करते हैं।

राजिम कुंभ कल्प के सरस मेला में सजी आत्मनिर्भर महिलाओं की मेहनत और हुनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 में हर ओर कुछ न कुछ खास देखने को मिल रहा है। इस वर्ष मेले में आयोजित संभागीय सरस मेला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहा है। यहां उपलब्ध उत्पादों की शुद्धता, गुणवत्ता और ताजगी लोगों को आकर्षित कर रही है। मिलावट के इस दौर में सरस मेला मेला भ्रमण पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बिंद्रानवागढ़ से आई गौरी गणेश स्वसहायता समूह की सदस्य सविता दीदी अपने स्टॉल पर बड़ी पापड़, शहद, बांस से बने टोकरी, गुलदस्ता, सूपा, झाड़ू सहित अनेक घरेलू उत्पादों की बिक्री कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले वे घर की चारदीवारी तक ही सीमित थीं और दुनियादारी से लगभग अनजान थीं। ग्राम संगठन बिहान की बहनों ने उन्हें समूह से जोड़ा, जिसके बाद आज वे समूह के माध्यम से कार्य कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। सविता दीदी ने कहा कि बिहान महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने वाला सशक्त माध्यम बन गया है।

इसी तरह प्रगति संगठन, धवलपुर की महिलाएं भी अपने स्टॉल के माध्यम से अचार, पापड़ और अन्य घरेलू उत्पादों की बिक्री कर रही हैं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि मेले के शुरुआत से ही ग्राहकों की लंबी कतार लग रही है, वहीं आगामी दिनों में भी भीड़ बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि उनके समूह में 10 महिलाएं हैं, जो अलग-अलग उत्पाद तैयार कर बाजार में उपलब्ध कराती हैं। इससे होने वाली आमदनी उनके लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है।

वहीं लोहारी, गरियाबंद से आए एक युवक ने बताया कि वे हर वर्ष कुंभ मेला देखने राजिम आते हैं और इस बार भी दुकानों की संख्या काफी अधिक है। मेले में घूमने का उन्हें भरपूर आनंद मिल रहा है। पीपरछेड़ी, गरियाबंद के उबेलाल और हेमंत ने कहा कि आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से गांव की महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला है और आज वे शहर की महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी

सरस मेला के संभागीय नोडल अधिकारी पतंजलि मिश्रा (डीपीएम) ने बताया कि इस मेले के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में आजीविका से जुड़ी महिलाओं को बेहतर मंच और बाजार उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी।

कीमत अधिक, लेकिन गुणवत्ता पर भरोसा

सरस मेला में बिक्री के लिए रखे गए अधिकांश उत्पादों की कीमतें अन्य स्थानों की तुलना में थोड़ी अधिक बताई जा रही हैं। छांटा निवासी शंकर लाल साहू ने बताया कि वे लकड़ी और बांस से बने फर्नीचर देख रहे थे, जिसकी बनावट और फिनिशिंग उन्हें काफी पसंद आई, हालांकि कीमत अधिक होने के कारण मोलभाव करना पड़ा।

गोलमाल 5 में करीना कपूर की वापसी पक्की रोहित शेट्टी की सबसे बड़ी पलटन तैयार

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल 5 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी पक्की हो गई है, जो एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस बार रोहित शेट्टी ने अक्षय कुमार को भी इस फिल्म से जोड़कर एक बड़ा कास्टिंग धमाका किया है। अजय, अक्षय और करीना जैसे सितारों के साथ गोलमाल 5 की ये पलटन अब तक की सबसे बड़ी टीम मानी जा रही है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया, करीना की कास्टिंग में थोड़ा समय लगा, क्योंकि तारीख और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत चल रही थी। रोहित शेट्टी और अजय देवगन उन्हें फिल्म में लेने के लिए बेहद उत्सुक थे, वहीं करीना भी गोलमाल फ्रेंचाइजी में लौटने को लेकर उत्साहित थीं। रोहित की टीम ने करीना के लिए एक बेहद मजेदार और अनोखा रोल तैयार किया है, जिसके लिए आखिरकार बात बन गई है।

ट्रेड पंडितों का मानना है कि गोलमाल 5 को लेकर पहले ही काफी उत्साह था, क्योंकि इसके सभी पिछले चारों भाग सफल रहे हैं। अब अक्षय की एंट्री और करीना की वापसी ने फिल्म के प्रति रोमांच को दोगुना कर दिया है। जानकारों का मानना है कि ये करिश्मा केवल रोहित ही कर सकते थे।

अपनी जबरदस्त साख और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बेमिसाल रिकॉर्ड के दम पर उन्होंने बॉलीवुड सितारों के इस महा-संगम को मुमकिन कर दिखाया है।

मैं फेल हो सकती हूं, मगर हार नहीं मानूंगी : पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।

नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।

पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा।

फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म वेंकटलक्ष्मी में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिल कुमार डायरेक्ट कर रहे हैं।

शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

बॉर्डर-2 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है।

बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं।

फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली।

वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

भूत पुलिस 2 के लिए निर्देशक प्रियदर्शन ने वूसली मोटी फीस, इस बार दिखेंगे नए चेहरे

सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस 2021 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया था जिसे लोगों ने ठीक-ठाक प्रतिक्रिया दी। अब इस फिल्म का सीक्वल चर्चा में है जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी प्रियदर्शन ने उठाई है। उन्हें हेरा फेरी और भूल भुलैया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। बताया जाता है कि भूत पुलिस 2 के लिए के लिए प्रियदर्शन ने मोटी फीस वसूली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूत पुलिस 2 पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके निर्देशन के लिए प्रियदर्शन को चुना गया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रियदर्शन इस सीक्वल का निर्देशन करने के लिए 21 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि पहली किस्त की तरह सीक्वल भी हॉरर-कॉमेडी जॉनर को बरकरार रखेगा लेकिन कास्टिंग में बड़ा बदलाव होगा। सैफ और अर्जुन की बजाए नई जोड़ी पर दांव लगेगा।

सूत्र ने आगे कहा, विचार यह है कि एक नई जोड़ी के साथ इस फ्रैंचाइज को नया रूप दिया जाए। निर्माता 2 अभिनेताओं पर विचार कर रहे हैं। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया और प्री-प्रोडक्शन का काम पूरा होने के बाद, शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। प्रियदर्शन सीक्वल को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, प्रियदर्शन आगामी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली नजर आएंगे।

क्या आपको है शॉपिंग की लत ? इन 5 तरीकों से जल्द मिलेगा छुटकारा

अधिकतर लोग खरीदारी करना पसंद करते हैं। हालांकि, जब यह एक आदत बन जाती है तो इससे आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा खरीदारी करते हैं तो इससे आपकी बचत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और जेब खाली हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप खरीदारी की लत से छुटकारा पा सकते हैं और अपने खर्चों को नियंत्रित कर सकते हैं।

बजट बनाएं और उसका पालन करें

खरीदारी की लत से छुटकारा पाने के लिए सबसे पहले एक बजट बनाएं और उसका पालन करें। अपनी मासिक आय और खर्चों का अंदाजा लगाएं और तय करें कि आप कितनी राशि खरीदारी पर खर्च कर सकते हैं। इससे आपको अपने खर्चों का सही अंदाजा होगा और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इसके अलावा बजट बनाने से आप अपनी बचत को भी बढ़ा सकते हैं और आर्थिक स्थिरता पा सकते हैं।

सूची बनाकर खरीदारी करें

खरीदारी करने से पहले एक सूची बनाएं और उसी के अनुसार सामान खरीदें। बिना योजना के बाजार जाने से आप अनावश्यक चीजें खरीद सकते हैं, जो आपके बजट को बिगाड़ सकती हैं। इसके अलावा सूची बनाकर खरीदारी करने से आपका समय भी बचेगा और आप अधिक व्यवस्थित रहेंगे। इससे आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इस तरह से आप अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं।

ऑनलाइन खरीदारी वाले ऐप हटाएं

अगर आपको ऑनलाइन खरीदारी करने की आदत है तो अपने फोन या कंप्यूटर से सभी ऑनलाइन खरीदारी वाले ऐप को हटा दें। इनकी मौजूदगी आपके लिए लालच का कारण बन सकती है और आप बिना जरूरत के चीजें खरीद सकते हैं। इसके अलावा इन ऐप को हटाने से आप अपनी बचत को सुरक्षित रख सकेंगे और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। अगर आप ऐप हटाना नहीं चाहते हैं तो उनके नोटिफिकेशन को बंद रखें।

खरीदारी करने का समय तय करें

खरीदारी करने का एक निश्चित समय तय करें और उससे बाहर न जाएं। उदाहरण के लिए सप्ताह में एक बार या महीने में एक बार ही खरीदारी करने का समय होना चाहिए। इससे आपकी खरीदारी की आदत नियंत्रित रहेगी और आप बेवजह पैसे लुटाने से बचे रहेंगे। अगर संभव हो तो महीने में एक बार ही घर का सारा जरूरी सामान खरीद लाएं। इससे आपको बीच में चीजें लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी और फिजूल खर्ची भी नहीं होगी।

भावनात्मक कारणों से खरीदारी करने से बचें

अक्सर लोग तनाव, उदासी या अकेलेपन जैसे भावनात्मक कारणों से खरीदारी कर लेते हैं। इन भावनाओं को समझें और उनसे निपटने के लिए अन्य तरीके अपनाएं। आप खरीदारी के बजाय योग, ध्यान या दोस्तों के साथ समय बिताना चुन सकते हैं। इस तरह आप अपनी खरीदारी की आदत को नियंत्रित रख सकेंगे और बेवजह के खर्चों से बच सकेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और आप अधिक संतुलित जीवन जी पाएंगे।

खास खबर

शिक्षकों पर लागू हुआ एस्मा: 20 से शुरू होंगी 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं 20 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। परीक्षाओं के सुचारु और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने शिक्षकों और परीक्षा कार्य से जुड़े कर्मचारियों पर एसेंशियल सर्विस एंड मेंटेनेंस एक्ट (एस्मा) लागू कर दिया है। एस्मा के तहत 15 फरवरी से 30 अप्रैल 2026 तक कोई भी शिक्षक या कर्मचारी अवकाश नहीं ले सकेगा। इस अवधि में हड़ताल, धरना, आंदोलन या कार्य बहिष्कार पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सभी शिक्षकों को अपने मूल पदस्थापना स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। उपस्थिति दर्ज होने के बाद ही उनकी ई-पुस्तिका अपडेट की जाएगी। प्रदेशभर में बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 2,514 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा संचालन की निगरानी के लिए मंडल स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस वर्ष करीब 7 लाख विद्यार्थी 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। गृह विभाग के निर्देशानुसार परीक्षा अवधि के दौरान न तो छुट्टियां स्वीकृत की जाएंगी और न ही सामूहिक अवकाश लिया जा सकेगा। यदि कोई शिक्षक या कर्मचारी परीक्षा ड्यूटी से इन्कार करता है, तो इसे कानून का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहयोग केन्द्र में 32 आवेदनों का त्वरित समाधान किया गया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के मार्गदर्शन में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय के सहयोग केंद्र में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान प्रदेश महामंत्री द्वय अखिलेश सोनी व डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने व प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी उपस्थित रहे। बाद में मीडिया से चर्चा में मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सरकार कार्यकर्ताओं और जनता की सरकार है। 'सहयोग केंद्र' एक ऐसा माध्यम है जहाँ शासन और संगठन के बीच की दूरी कम होती है। कार्यकर्ताओं की ऊर्जा ही सरकार की ताकत है, और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। श्री जायसवाल ने कहा कि आज के शिविर में कुल 58 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा और स्थानीय बुनियादी ढाँचों से जुड़ी लगभग 152 मांगें व समस्याएँ प्रमुख रहीं। मंत्री जायसवाल ने बताया कि लगभग 30 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया।

पीएम सूर्यघर योजना के इच्छुक हितग्राहियों को प्रोत्साहित कर इंस्टालेशन में प्रगति लाएं

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर प्रभारी कलेक्टर एवं निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने समय-सीमा की बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन जनशिकायत, मानव अधिकार आयोग, कलेक्टर जनदर्शन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को शीघ्रता से कार्यवाही के निर्देश दिए। प्रभारी कलेक्टर ने निर्देशित किया कि लंबित पत्रों का परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कर संबंधित को सूचित किया जाना चाहिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में प्रभारी कलेक्टर पांडेय ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पीएम सूर्यघर योजना में लक्ष्य अनुसार प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने वेंडरों की संख्या बढ़ाने और इंस्टॉलेशन में वृद्धि के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने मुख्य सचिव के बैठक से संबंधित एजेंडो पर चर्चा करते हुए विभागवार समीक्षा की। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, अवैध उत्खनन पर कार्यवाही, राजस्व के प्रकरणों पर प्रगति, पीडब्ल्यूडी, पीएचई, पीएमजीएसवाय, स्वरोजगार, कौशल विकास संबंधित विषयों पर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी कलेक्टर ने बाल सम्प्रेषण गृह, महत्वपूर्ण कार्यों आदि की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कौशल उन्नयन से जोड़कर युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियो को निर्देश दिए हैं कि वे युवाओं को अधिक से अधिक कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं। श्री साय ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में नए-नए उद्योग स्थापित होने वाले हैं, इन उद्योगों में युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने महानदी भवन मंत्रालय में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग की समीक्षा बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रोजगार मेले का आयोजन करें। बैठक में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव विकासशील सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने और तकनीकी संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीआई के आधुनिकीकरण से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने सीएसएसडीए एवं राज्य परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी के एकीकरण के प्रस्ताव पर सहमति दी और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलों में सहायक निदेशक एवं सहायक परियोजना अधिकारियों की युक्तियुक्त पदस्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशिक्षित युवाओं से फीडबैक हेतु विकसित ज्तंपदमम थ्ममकइंबा मॉड्यूल को और सशक्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2013 से अब तक 4 लाख 90 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2 लाख 71 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में राज्य में 356 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाएं (वीटीपी) एवं 207 पंजीकृत कोर्स संचालित हैं। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सेतु योजना के अंतर्गत राज्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल पर 6 क्लस्टर का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से आईटीआई के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण हेतु लगभग 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत, राज्य सरकार की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तथा उद्योगों की हिस्सेदारी न्यूनतम 17 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लिए पीएम जनमन योजना अंतर्गत 9 जिलों में लगभग 1,700 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई।

वहीं आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास हेतु बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर सहित जिलों में 600 से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में गत वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

ई-गवर्नेंस की नई गति: 'डिजिटल, दक्ष एवं विकासशील प्रशासन' की दिशा में कदम

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा iGOT प्रशिक्षण के माध्यम से 120 अधिकारियों का दस बैचों में क्षमता संवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदेश में ई-गवर्नेंस व्यवस्था को सुदृढ़, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल की गई है। इस क्रम में iGOT (Integrated Government Online Training) प्लेटफॉर्म के माध्यम से कुल 120 अधिकारियों को दस बैचों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को डिजिटल ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना तथा तेज, पारदर्शी एवं उत्तरदायी निर्णय प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास को गति प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ शासन की यह पहल डिजिटल, दक्ष एवं विकासशील प्रशासन के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत के नेतृत्व में विगत दिनों iGOT प्लेटफॉर्म के माध्यम से लगभग 1200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर एक उल्लेखनीय प्रशासनिक कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह पहल अधिकारियों एवं कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, प्रस्तुतिकरण कौशल तथा ज्ञान-वितरण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उनके बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा एवं नवाचार की संस्कृति को भी प्रोत्साहित कर रही है। प्रशासनिक दक्षता को और अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उचित प्रोत्साहन एवं पुरस्कार प्रदान किया जाना आवश्यक है, जिससे वे भविष्य में और अधिक प्रतिबद्धता, दक्षता एवं नवाचार के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

सामान्य प्रशासन विभाग की अवर सचिव अंजू सिंह ने आज मंत्रालय में प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को iGOT प्लेटफॉर्म पर पंजीयन (रजिस्ट्रेशन), लॉग-इन प्रक्रिया, प्रशिक्षण मॉड्यूल पूर्ण करने, प्रमाण पत्र प्राप्त करने, प्रमाण पत्र डाउनलोड करने तथा उसे व्यक्तिगत उपलब्धियों (Achievement) में अपलोड करने की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ कैपेसिटी बिल्डिंग प्लान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो विभिन्न विभागों के अधिकारियों को उनके प्रशासनिक दायित्वों, कार्यप्रणाली तथा योजनाओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सामान्य प्रशासन विभाग की अवर सचिव अंजू सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल प्रशासन केवल तकनीकी परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में मूलभूत बदलाव का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि द्वत्हङ्ग के माध्यम से प्राप्त प्रशिक्षण मंत्रालयीन अधिकारियों को ई-ऑफिस एवं ई-कैपेसिटी बिल्डिंग प्रणाली के प्रभावी, पारदर्शी तथा समयबद्ध क्रियान्वयन में सक्षम बनाएगा।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को विशेष रूप से डिजिटल फाइल मूवमेंट, प्रक्रिया सरलीकरण, नीतियों एवं योजनाओं के समयबद्ध निष्पादन तथा जनसेवा की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक दक्षता में सुधार से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रशासनिक आधुनिकीकरण की दिशा में संचालित सतत सुधार प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रशिक्षण में सहभागिता करने वाले अधिकारियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इससे नीतिगत निर्णयों एवं योजनाओं के प्रभावी एवं धरातल पर क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित होगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है अंतरिक्ष केन्द्र

मुख्यमंत्री साय और श्री शुक्ला ने बच्चों द्वारा तैयार रॉकेट का किया सफल प्रक्षेपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के साथ नवा रायपुर के राखी में आयोजित कार्यक्रम में जशपुर के बच्चों द्वारा तैयार रॉकेट का बटन दबाकर प्रक्षेपण किया। आईडीवायएम के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह देश के किसी सरकारी स्कूल में स्थापित पहला अंतरिक्ष केन्द्र है। साथ ही यहां बच्चों द्वारा कार्डबोर्ड एवं पीवीसी पाइप के इस्तेमाल से रॉकेट बनाया गया है।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन रायपुर की पहल पर शुरू किए गए प्रोजेक्ट अंतरिक्ष संगवारी के अंतर्गत शासकीय उ.मा. विद्यालय राखी, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ में पहले अंतरिक्ष केन्द्र का मुख्यमंत्री साय और वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इसका शुभारंभ कर इसका अवलोकन किया।

यह अंतरिक्ष केन्द्र जिला प्रशासन रायपुर, आईडीवायएम तथा सारडा ग्रुप में संयुक्त तत्वाधान में तैयार किया गया है। इस अंतरिक्ष केंद्र में स्पेस क्वालिफाइड क्लीन रूम, स्टूडेंट सैटेलाइट लेबोरेटरी, ग्राउंड स्टेशन एवं मिशन कंट्रोल सेंटर की सुविधा उपलब्ध है।

यहां विद्यार्थी स्वयं उपग्रह का डिज़ाइन, असेम्बली, परीक्षण तथा सिग्नल व डेटा डिकोडिंग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इस मौके पर कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, वन मंत्री केदार कश्यप, भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, विधायक सर्वश्री मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, आइडीवायएम के अध्यक्ष व सह-संस्थापक रत्नेश मिश्रा एवं हेड ऑफिसर शिव सिंग भदोरिया उपस्थित थे।

नारी शक्ति का सशक्त बजट, महिला सशक्तिकरण कोष में 1.5 लाख करोड़ का प्रावधान-रत्नावली

शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन में नारी कल्याण की क्रांति

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने केंद्रीय बजट 2026 की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता की इच्छाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप है तथा हवाई सेवा, रेल सेवा, सड़क सेवा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सभी महत्वपूर्ण सेवाओं के विस्तार के लिए मजबूत योजनाओं को प्रमुख स्थान प्रदान करता है।

रत्नावली कौशल ने बताया कि बजट में महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई क्रांतिकारी प्रावधान किए गए हैं, जो नारी शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाले हैं। इनमें प्रमुख हैं:महिला सशक्तिकरण कोष में 1.5 लाख करोड़ का प्रावधान लाड़ली बहन योजना का विस्तार, घरेलू हिंसा रोकथाम के लिए विशेष फंड और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु स्टार्टअप सीड फंड शिक्षा और कौशल विकास 50 लाख महिलाओं के लिए नि:शुल्क डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम, इंजीनियरिंग और मेडिकल कोर्सेज में आरक्षण बढ़ाकर 33त्न तथा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' को नई गति स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार: आयुष्मान भारत योजना में महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग और मातृ स्वास्थ्य किट का वितरण, साथ ही 10,000 नए महिला स्वास्थ्य केंद्र।

रत्नावली कौशल ने आगे बताया कि परिवहन क्रांति हवाई अड्डों पर महिला प्रतीक्षालय, रेलवे में महिला कोटा 30त्न बढ़ाकर और ग्रामीण सड़क नेटवर्क में महिला चालक प्रशिक्षण योजना सामाजिक-आर्थिक उत्थान के अन्य आयाम रत्नावली कौशल ने कहा कि बजट न केवल नारी शक्ति को मजबूत करता है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए डेयरी और हस्तशिल्प इकाइयों को 25,000 करोड़ का बूस्टर प्रदान करता है। रत्नावली कौशल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में 'नारी विद्यालय योजना' से 1 करोड़ लड़कियों को उच्च शिक्षा का लाभ मिलेगा, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र में टीकाकरण और पोषण कार्यक्रम महिलाओं को स्वस्थ रखने पर केंद्रित हैं। यह बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज है, जो प्रत्येक महिला को सशक्त बनाकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने का माध्यम बनेगा।

समाज के हर व्यक्ति के सुख-दुख में हों शामिल कोई अकेला महसूस न करें : अरुण साव

छात्रावास भवन का किया भूमिपूजन, सामाजिक भवन के बाउंड्रीवाल के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जिला साहू संघ बालोद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सभी को नव दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीउ। उन्होंने इस अवसर पर समाज के विद्यार्थियों के हित में छात्रावास भवन के लिए भूमिपूजन किया। साथ ही सामाजिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। श्री साव ने कहा कि समाज ने शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसका लाभ समाज के बच्चों को होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए संकल्प लेने का दिन है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व में बालोद जिला साहू समाज निरंतर प्रगति करेगा। शिक्षा, कृषि, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने के मामले में बालोद जिले की हमेशा एक अलग पहचान रही है, जिसे आगे और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब नए पदाधिकारियों के कंधों पर है।

श्री साव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक सहित सभी के लिए समाज का द्वार सदैव खुला रहना चाहिए। सामाजिक पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे हर व्यक्ति के सुख-दुख में साथ खड़े रहें, ताकि हर सदस्य यह महसूस करे कि समाज उसके साथ है।

साथ ही वर्ष में कम से कम दो बार सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिससे समाज से उनका जुड़ाव मजबूत हो और वे समाज में अपने महत्व को समझ सकें।

समारोह में साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, पूर्व मंत्रीगण ताम्रध्वज साहू एवं रमशीला साहू, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष टहल सिंह साहू, विपिन साहू, दीपक साहू, प्रीतम साहू, प्रतिभा चौधरी, हलधर साहू और वीरेंद्र साहू सहित नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष महेंद्र साहू, मदन साहू, बंशीलाल साहू, गणेश राम साहू, राजेश साहू, भागवत साहू एवं सुनील साहू भी मौजूद थे।

खास खबर

नवा रायपुर में मिली युवक की संदिग्ध लाश

रायपुर। राजधानी रायपुर के नवा रायपुर क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक की संदिग्ध लाश मिली है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है एवं जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार नवा रायपुर स्थित निर्माणधीन फिल्म सिटी ग्राउंड में मंगलवार को ग्रामीणों ने एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में लाश देखी। लाश मिलने की जानकारी फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और तत्काल इसकी सूचना अभनपुर थाना पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस मौका-मुआयने कर शव को पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय भूपेंद्र पटेल के रूप में हुई है। मौके पर फॉरेंसिक टीम घटनास्थल की पड़ताल कर रही है। युवक की मौत हत्या है या आत्महता या कोई हादसा अभी इसकी जानकारी नही मिली है। फिलहाल पुलिस की टीम पूरी वारदात को हत्या समेत अन्य संभावित एंगल से जांच कर रही है।

स्कॉर्पियो पलटने पर भागे सवार, जैरिकेन और कई नंबर प्लेट जब्त

रायगढ़। रायगढ़ जूटमिल थाना क्षेत्र में मंगलवार को संदिग्ध डीजल चोर गिरोह की स्कॉर्पियो जोरापाली चौक के पास हाईवे के किनारे पलट गई। हादसे के बाद चालक और वाहन में सवार लोग भाग गए। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो वाहन में डीजल के खाली डिब्बे और कई नंबर प्लेट मिले। जुटमिल पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर जांच में जुटी है। पिछले दिनों छाल क्षेत्र में डीजल चोर गिरोह को पुलिस ने पकड़ा था। मंगलवार की सुबह जुटमिल पुलिस को सूचना मिली कि जोरापाली चौक के पास हाईवे से नीचे स्कॉर्पियो पलट गई है। पुलिस सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची, तो वहां स्थानीय लोगों की भीड़ लगी हुई थी। स्कार्पियो में कोई नहीं था। प्राथमिक जांच में गाड़ी के भीतर डीजल रखने वाले खाली जैरिकेन (डिब्बे) मिले। इस पर आशंका जताई जा रही है कि गाड़ी का इस्तेमाल डीजल चोरी में किया जा रहा था। जुटमिल थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने बताया कि शुरुआती जांच में वाहन का संबंध डीजल चोरी से होने की आशंका है। वाहन को जब्त कर थाना लाया गया है।

मोबाइल देखने से रोका, तो छात्रा हंसिया लेकर कमरे में कैद हुई

पेंड्रा। पेंड्रा मरवाही थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हारी में मंगलवार को हड़कंप मच गया, जब 14 की छात्रा आत्महत्या के इरादे से हंसिया लेकर घर के कमरे में घुसी और कमरा बंद कर लिया। परिजनों ने परीक्षा की तैयारी पर जोर देकर छात्रा को मोबाइल देखने से मना किया था, जिससे नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। परिजनों की सूचना पर पहुंची मरवाही पुलिस 4 घंटे तक कमरे के बाहर से छात्रा से बात करती रही और आखिर में समझाइश देकर उसे सकुशल कमरे से बाहर निकाला।

नाराज गर्लफ्रेंड ने की प्रेमी की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने अपने प्रेमी की हत्या कर दी। दरअसल प्रेमी ने युवती से ब्रेकअप कर लिया था और उसके बाद उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था। इस बात से नाराज युवती मंगलवार की सुबह अपने बॉयफ्रेंड के पास चाकू लेकर पहुंची और गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपिया गर्लफ्रेंड को गिरफ्तार कर लिया है।

यह पूरा मामला बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करी निवासी कामता प्रसाद सूर्यवंशी (25) सिविल लाइन क्षेत्र के शुभम विहार स्थित शिक्षक कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। कामता की इस्टाग्राम के माध्यम से सीपत क्षेत्र की रहने वाली रोशनी सूर्यवंशी (22) से दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों बातचीत करने लगे और रिलेशन भी मेंटेन कर रहे थे। बताया जा रहा है दोनों के बीच प्रेम संबंध काफी आगे बढ़ गया था। इस बीच दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और कामता ने ब्रेकअप कर लिया। इसके बाद भी युवती उससे बात कर मनाने का प्रयास करती रही लेकिन कामता ने उसका मोबाइल नंबर को ब्लॉक कर दिया। इससे युवती काफी नाराज हुई और मंगलवार की सुबह धारदार चाकू लेकर कामता के मकान में पहुंची।

युवती को शक था कि युवक का किसी और लड़की से अफेयर चल रहा है। युवक के मकान पर पहुंचने के बाद युवती ने उससे मोबाइल मांगा और नंबर ब्लॉक करने का कारण पूछा। इस पर युवक तैश में आ गया और फिर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। युवती पहले से पूरी तैयारी करके आई थी। विवाद के दौरान उसने युवक के सीने पर चाकू से वार कर दिया। इससे वह जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल कामता को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत बताया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

तीन लाख के गांजा समेत आरोपी महिला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर बोधघाट पुलिस ने शहर में युवाओं को गांजा सप्लाई करने वाली एक आदतन महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6.09 किलो गांजा बरामद किया है। जब्त गांजा की कीमत करीब 3.04 लाख रुपए बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को मुखबिर पर पुलिस ने नयामुंडा इलाके में रहने वाली नंदनी कश्यप 32 वर्ष को अवैध रूप से गांजा बेचते पकड़ा। बताया जाता है कि वह अपने घर पर गांजा रखकर ग्राहक के इंतजार में बैठी थी।

इस पर थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी के घर की तलाशी ली, जहां एक काले बैग में खाकी रंग के सेलो टेप से लिपटे पांच पैकेट में गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया कि वह पहले भी एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल जा चुकी है। आरोपी को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में एसआई ललित नेगी, एएसआई सुजाता नायडू, प्रधान आरक्षक सुनील मनहर, आरक्षक प्रतिमा रावटे, भैरव सिन्हा, अजीत सरकार, विजय तिर्की, थानेंद्र सिन्हा, परमानंद भोयर, वामन सेन शामिल थे।

आत्महत्या करने 20 फीट नीचे कूदा निगम कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मंगलवार की शाम को भिलाई नगर निगम का एक कर्मचारी आत्महत्या करने दुर्ग के धमधा नाका ओवरब्रिज पर पहुंचा। काफी देर तक वहीं पर भटकता रहा और अचानक से ब्रिज से नीचे रेल पटरी पर कूद गया। करीब 20 फीट की उंचाई से नीचे कूदने पर उसकी जान तो बच गई, लेकिन उसका पैर टूट गया है।

जब स्थानीय लोगों ने उसे आत्महत्या करने की वजह पूछी तो वो रोने लगा और कहने लगा कि घर वाले उसे बार-बार चिढ़ाते थे और मारने की धमकी देते थे। इसकी वजह से वो आत्महत्या करने पहुंचा है। आत्महत्या करने आए निगम के कर्मचारी का नाम भानुप्रताप देशमुख, पिता कमलेश देशमुख उम्र 30 साल है। वह जेवर सिरसा वार्ड नं. 13 का रहने वाला है। भिलाई नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। बयह मामला जीआरपी दुर्ग का है। घायल अवस्था में युवक को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है। जहां पर उसका इलाज जारी है।

गन रखने का आरोप लगाते थे मामा के लड़के घायल भानुप्रताप ने बताया कि उसके घर वाले उसे बार-बार मेंटल बोलते थे इसलिए मैं मरने के लिए आया था। वहीं बताया कि मेरे मामा के लड़के लोग डॉन भेजे थे मेरे लिए। उन लोग मुझे चिढ़ाते रहते हैं कि गन रखा अपने पास, जबकि वो गन नहीं है चिड़िया भगाने वाला लिया था मैं। इसके बाद भी उन लोग फिर गुंडा लेकर मुझे मारेंगे बोल रहे थे, इसलिए मैं मरने आ गया हूं। मेरा कोई नहीं है। मामले में भानुप्रताप देशमुख की पत्नी ने बताया कि वो घर से अचानक निकल गए। बाद में हमें पता चला कि पति ने ऐसा कदम उठाया है। घर में किसी तरह की कोई समस्या नहीं है। विवाद जैसी भी कोई बात नहीं है। हालांकि पति को देखने पत्नी अस्पताल भी शाम तक नहीं पहुंची थी।

ट्रेलर के चपेट में आने से ट्रक चालक की मौके पर मौत

कोरबा। कोरबा उरगा-चांपा हाईवे पर रॉन्ग साइड घुसे ट्रेलर ने सामने से आ रहे ट्रक को टक्कर मारी। घटना में दोनों वाहन के केबिन क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे ट्रक चालक की मौत हो गई। वहीं ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना उरगा थाना अंतर्गत पताढ़ी के पास मंगलवार सुबह 7 बजे हुई। ट्रक सीजी-07-सीआर-8677 में चालक खुर्सीपार (भिलाई) निवासी रूस्तम शाह (54) नासिक से प्याज लेकर जमशेदपुर के लिए रवाना हुआ था। उरगा के पास भारतमाला हाईवे से आगे जाने वह चांपा से उरगा की ओर आ रहा था। इस दौरान हाईवे पर पताढ़ी के पास एकाएक रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार ट्रेलर सीजी-04-पीजी-4336 सामने आ गया। दोनों वाहन के केबिन के परखच्चे उड़ गए। ट्रक चालक केबिन में दब गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

केले की फसल लगाकर चना दिखाया और ऐंठी बीमा की रकम, महिला सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के छुरिया थाना पुलिस ने दूसरे की भूमि में चना फसल बोने का झूठा विवरण देकर फर्जी फसल बीमा कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला छुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम आमगांव का है।

जानकारी के अनुसार रैलीज बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर जय बग्गा, वैभव गोलछा और सुदर्शन वर्मा के नाम पर दर्ज करीब 50 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर पिछले एक वर्ष से अधिक समय से केले की फसल लगी हुई थी। इसके बावजूद वर्ष 2024-25 में उक्त भूमि पर चना फसल दर्शाकर फर्जी तरीके से फसल बीमा कराया गया और वित्तीय लाभ अपने खातों में प्राप्त किया गया।

इस मामले में कृषि विभाग की ओर से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर भारतीय कृषि बीमा कंपनी अमित वर्मा और सीएससी संचालक परमेश्वर साहू के खिलाफ लिखित शिकायत छुरिया थाने में दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था।

जांच में पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों हेमंत वैष्णव, बालमुकुंद जंघेल और रुखमणि कंवर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

सिलेंडर से लदे पिकअप ने युवक को कुचला, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 353 में एलपीजी गैस सिलेंडर से लोड तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 353 पर चक्काजाम कर दिया। मामला खल्लारी थानाक्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार ओंकारबंद निवासी अशोक कुमार विश्वकर्मा (उम्र 40 वर्ष) युवक सड़क पार कर रहा था, तभी तेज गति से आ रही एलपीजी गैस से लोड पिकअप वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और मुआवजे व कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग 353 को जाम कर दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और खल्लारी पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। नायब तहसीलदार द्वारा मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपये प्रदान किए जाने के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया। वहीं पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है तथा चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। खल्लारी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

पत्नी की हत्या कर फांसी पर झूला पति : जगदलपुर में धारदार हथियार से सिर और गले पर किया वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बुजुर्ग ने अपनी बीमार पत्नी की सिर और गले पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। फिर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह बेटे ने कमरे का दरवाजा खोला तो दोनों की लाश मिली। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद की वजह सामने आ रही है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग तारा सिंह (73) अपनी पत्नी विजय (70) और बेटे के साथ शहर के बैला बाजार इलाके में रहता था। तारा सिंह थोड़ा गुस्से वाला था। उसकी पत्नी बीमार रहती थी। घर के फर्स्ट फ्लोर में बेटा रहता है। ये दोनों बुजुर्ग दंपति नीचे ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। पत्नी की बीमारी समेत पारिवारिक कारणों की वजह से इनके बीच अक्सर विवाद होते रहता था।

एक दिन पहले मंगलवार की रात दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इनका बेटा मां-बाप के पास आया और विवाद को शांत करवाया। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया था। रात करीब दो-ढाई बजे के बाद दोनों पति-पत्नी के बीच में दोबारा विवाद शुरू हुआ।

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साए पति ने घर में नारियल काटने वाले धारदार हथियार से अपनी पत्नी के गले और सिर पर वारकर दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इसके बाद पानी गर्म करने वाले रॉड के तार का फंदा बनाया और चैनल गेट पर उसे बांधकर फांसी पर लटक गया। जिससे उसकी भी मौत हो गई।

वहीं, बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच बेटा जब नीचे अपने माता-पिता के पास आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने माता-पिता को आवाज दी। जब कोई रिस्पांस नहीं मिला तो उसने किसी तरह दरवाजा खोला। अंदर जाकर देखा तो दोनों की लाश पड़ी थी। आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। तारा सिंह पहले ट्रक चलाने का काम करता था। लेकिन कुछ समय से वह घर पर ही रह रहा था। शुरुआती जांच में स्पष्ट पारिवारिक विवाद ही सामने आ रहा है। हालांकि, जांच के बाद ही इस पूरी वारदात की सच्चाई सामने आएगी।

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)//

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202601101000128 / ब-121 वर्ष 2025-2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक इकराम अली आ. बसीरुद्दीन साकिन प्रेमनगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45. तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न 647/1 रकबा 0.015 हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से क्रय किया गया था, जो वर्तमान अभिलेख में कृषि भूमि दर्ज हो गया है, को परिवर्तित दर्ज किये जाने के सबंध में आवेदन पत्र मय बी.1 नकल प्रस्तुत किया गया है, जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्त भूमि को उपरोक्त अनुसार सुधार किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18/02/2026 को या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 19/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

म्यूल अकाउंट से साइबर ठगी : 22 खातों से हो रहा था लेनदेन 16 आरोपी पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में म्यूल अकाउंट होल्डर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र के समन्वय से की गई कार्रवाई के दौरान 22 बैंक खातों के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी करने वाले 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। म्यूल अकाउंट के जरिए 10 लाख 67 हजार 665 रुपए की साइबर ठगी का खुलासा किया गया।

दरअसल भारत सरकार एवं गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र के अंतर्गत समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। सूचना अनुसार थाना मोहन नगर क्षेत्र अंतर्गत कुल 22 बैंक खातों का उपयोग साइबर धोखाधड़ी से अर्जित राशि के लेन-देन के लिए किया जाना पाया गया। विवेचना के दौरान उक्त बैंक खातों के माध्यम से कुल 10,67,665/- की राशि का साइबर अपराध से प्राप्त होना प्रमाणित पाया गया।

पुलिस जांच में पाया गया कि खाताधारकों द्वारा जानबूझकर अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए गए, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकरणों में ठगी की राशि के स्थानांतरण हेतु किया गया। प्रकरण में थाना मोहन नगर में अपराध क्रमांक 593/2025 अंतर्गत धारा 317(2), 317(4), 318(4), 111(3), 61 BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान 16 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया है। शेष आरोपियों की पतासाजी एवं विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही में थाना मोहन नगर के पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों और एसीसीयू के अधिकारी द्वारा तकनीकी विश्लेषण, समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, चेकबुक, ओटीपी अथवा मोबाइल बैंकिंग विवरण किसी भी व्यक्ति को न दें। साइबर अपराध से संबंधित किसी भी सूचना की तत्काल रिपोर्ट साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा नजदीकी थाना में दें। साइबर अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पकड़े गए आरोपियों में यह हैं शामिल

वरुण यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी नेहरू नगर, कोहका, रितेश सोनी, उम्र 32 वर्ष, निवासी कचना रोड, उतई, निखिल खत्री, उम्र 22 वर्ष, निवासी वैशाली नगर, दुर्ग, मनीष साहू, उम्र 23 वर्ष, निवासी आजाद चौक, सुपेला, राहुल यादव, उम्र 30 वर्ष, निवासी शक्ति नगर, सुपेला, पंकज वर्मा, उम्र 31 वर्ष, निवासी वार्ड-01, दुर्ग, अंकुर सोनी, उम्र 20 वर्ष, निवासी सुभाष नगर, उतई, शशांक सोनी, उम्र 22 वर्ष, निवासी सुभाष नगर, उतई, राजू सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी वार्ड-11, दुर्ग, राहुल कुमार, उम्र 36 वर्ष, निवासी वार्ड-01, दुर्ग, उज्जवल सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी वार्ड-01, दुर्ग, दीपक टंडन, उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड-53, दुर्ग, बबलू बलाई, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम कोमा, उतई, रामकुमार राठौर, उम्र 26 वर्ष, निवासी वार्ड-34, दुर्ग, राकेश सेन, उम्र 58 वर्ष, निवासी इंदिरा मार्केट, दुर्ग, राम डंडे, उम्र 22 वर्ष, निवासी कुम्हारी, दुर्ग ।

विवाद करने से रोका तो युवक ने हंसिया से कर दी हत्या

राजनांदगांव। मोहला थाना क्षेत्र के ग्राम विजयपुर में 22 साल के युवक की हंसिया घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात रविवार रात करीब 8 बजे की है। वारदात की विवाद करने से रोकना सामने आया है। मोहला पुलिस ने बताया कि ग्राम विजयपुर में रविवार रात दो पक्षों में विवाद हो रहा था। वहां से मृतक प्रवीण भूआर्य अपने साथी के साथ गुजर रहा था। उसने रुककर दोनों पक्षों को विवाद नहीं करने की समझाइश दी। उन्हें अपने घर जाने कहा। इससे आरोपी लोमेश मंडावी आक्रोशित हो गया। वह अपने घर से धारदार हंसिया लेकर आया और प्रवीण भूआर्य पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। हंसिया प्रवीण के पेट में घोंप दिया। जिससे प्रवीण बेसुध होकर मौके पर गिर पड़ा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

प्रमुख खबरें

टेबल टेनिस में रायपुर सेंट्रल विजेता, कोरबा (प) रनर अप

कोरबा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस के फाइनल मुकाबले में रायपुर सेंट्रल की टीम ने एचटीपीएस कोरबा पश्चिम की टीम पर 3-1 से जीत दर्ज कर ली। विजयी टीम रायपुर सेंट्रल समेत विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अभियंता एचके सिंह ने ट्रॉफी सौंपी। मेंस सिंगल में दुर्ग रीजन के रजनीश ओबेराय ने जीत दर्ज की जबकि एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी टीपी. सिंह को रनर का खिताब मिला। मेन्स डबल में रायपुर के खिलाड़ी प्रशांत बापट एवं अनुराग शर्मा ने जीत दर्ज की। जबकि एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी टीपी सिंह एवं बिलासपुर रीजन के समीर तिवारी को रनर का खिताब मिला है। विमेन्स सिंगल में रायपुर की दिव्या आमड़े विजयी रहीं जबकि दुर्ग की शोभना सिंह को रनर का खिताब मिला।

पाली महोत्सव में 'चैतुरगढ़ थंडर राइड' साइकिल रेस

कोरबा। कोरबा जिले में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आगामी 15 और 16 फरवरी 2026 को दो दिवसीय 'पाली महोत्सव' का भव्य आयोजन ग्राम केराझरिया के महोत्सव ग्राउंड में किया जा रहा है। 15 फरवरी को 'पाली चैतुरगढ़ थंडर राइड 2026' साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह रेस पाली से शुरू होकर चैतुरगढ़ तक संपन्न होगी, जिसमें 15 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। इच्छुक प्रतिभागी गूगल लिंक या क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन 13 फरवरी 2026 की शाम 5:00 बजे तक करा सकते हैं।

कोण्डागांव का वार्षिक मेला 24 फरवरी से 1 मार्च तक

कोण्डागांव। कोण्डागांव का पारंपरिक मेला (मड़ई) प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 फरवरी से 01 मार्च 2025 तक पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए मेले के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वसहायता समूह, महतारी वंदन और हौसलों से लिख रहे सफलता की नई इबारत

छत्तीसगढ़ में बदल रही महतारियों की जिन्दगी

छोटी-छोटी बचत और छोटे-मोटे खर्चों का टेंशन खत्म हुआ तो बदल गया जीवन स्तर, नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ी महिलाएं

महतारी वंदन से आसान हुआ भगवती का आत्मनिर्भरता का सफर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महतारी वंदन योजना राज्य की महिलाओं के जीवन में आशा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया उजाला लेकर आई है। इस योजना की सफलता का प्रेरणादायी उदाहरण सारंगढ़ जिला के बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत संडा की निवासी श्रीमती भगवती रात्रे हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी साहस, सूझबूझ और मेहनत से अपने परिवार को संभालने का संकल्प लिया।

श्रीमती रात्रे के परिवार में वे स्वयं, उनके पति और तीन वर्ष की छोटी बेटी हैं। विवाह के बाद पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उन्हें ससुराल से अलग रहना पड़ा। परिवार की संपूर्ण जिम्मेदारी उनके पति पर थी, जो मजदूरी कर किसी तरह घर का खर्च चलाते थे। दुर्भाग्यवश एक गंभीर दुर्घटना में उनके पति काम करने में असमर्थ हो गए। इसके बाद इलाज, घर के दैनिक खर्च और मासूम बच्ची की जरूरतों ने परिवार को गहरे आर्थिक संकट में डाल दिया।

ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में महतारी वंदन योजना श्रीमती रात्रे के जीवन में संबल बनकर सामने आई। योजना के तहत मिलने वाली प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता राशि को उन्होंने केवल खर्च तक सीमित न रखते हुए नियमित बचत की शुरुआत की। इसी बचत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने 6 हजार रुपये की सिलाई मशीन खरीदी और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया। आज श्रीमती भगवती रात्रे सिलाई कार्य के माध्यम से प्रतिमाह लगभग 5 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण, पति के इलाज में सहयोग, बेटी की पढ़ाई तथा घर की जरूरतें पूरा कर पा रही हैं।

महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सामाजिक सम्मान भी प्रदान किया है। आज वे अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

श्रीमती रात्रे ने अपने जीवन में आए इस सकारात्मक परिवर्तन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर सम्मान के साथ जीने का अवसर दिया है।

महतारी वंदन से चांपा की सुलेश्वरी को मिली आत्मनिर्भरता की राह

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय निवासी सुलेश्वरी यादव उन महिलाओं में से एक हैं, जिनके जीवन में महतारी वंदन योजना ने नई उम्मीद, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की रोशनी भरी है। पहले आर्थिक तंगी के कारण उनका परिवार रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता था, लेकिन आज यही योजना उनके सपनों को साकार करने का मजबूत सहारा बन गई है। मीण परिवेश में पली-बढ़ी सुलेश्वरी का जीवन हमेशा संघर्षों से भरा रहा। सीमित आय और बढ़ती महंगाई के बीच तीन बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, घर का खर्च और भविष्य की जिम्मेदारियां निभाना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। वे अपने पति और तीन बच्चों के साथ जांजगीर में रहती हैं। घर के कामकाज के साथ-साथ सिलाई का कार्य कर वे परिवार की आय में सहयोग करती हैं, फिर भी सीमित संसाधनों के कारण परिवार की सभी जरूरतें पूरी कर पाना उनके लिए आसान नहीं था।

ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए संबल बनकर सामने आई। योजना के तहत हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की सहायता राशि ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाना शुरू कर दिया। श्रीमती सुलेश्वरी ने इस सहायता राशि का बचत करना शुरू किया और पैसे को सही दिशा में उपयोग किया। धीरे-धीरे यही छोटी-छोटी बचत उनके आत्मनिर्भर बनने की मजबूत नींव बनती गई। हाल ही में योजना की 24वीं किश्त के रूप में उन्हें 1000 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई, किताब-कॉपी, स्कूल की फीस और घर की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। अब तक मिली सहायता से उन्होंने अपने सपनों को नया आकार देना शुरू कर दिया है।

श्रीमती सुलेश्वरी कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मुझे बहुत सहारा मिला है। पहले मैं छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परेशान रहती थी, लेकिन अब मुझे भरोसा है कि मैं अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हूं। सरकार की इस मदद से मेरा सपना धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता ने जरूरतमंद महिलाओं को सच्चे अर्थों में आर्थिक संबल प्रदान किया है। उनके अनुसार यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाने की पहल है।

आत्मविश्वास, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं बहरासी गांव की अल्पना सिंह

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत बहरासी की निवासी श्रीमती अल्पना सिंह आज ग्रामीण अंचल में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की एक सशक्त पहचान बन चुकी हैं। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति, परिश्रम और स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग ने उनके सपनों को साकार कर दिया। यह कहानी न केवल एक महिला की सफलता की दास्तान है, बल्कि यह उन हजारों ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का साहस रखती हैं।

अल्पना के लिए दैनिक जरूरतों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी। बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च किसी तरह चल रहे थे। इसी दौरान वे छमता महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। यह एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बचत, ऋण, सामूहिक सहयोग और आत्मविश्वास का महत्व समझ में आया।

फरवरी 2017 में अल्पना सिंह ने सीआईएफ एवं बैंक लिंकेज ऋण के माध्यम से कुल 60,000 रुपये की ऋण राशि प्राप्त की। इस पूंजी से किराना जनरल स्टोर प्रारंभ करने का निर्णय लिया। धीरे-धीरे व्यवसाय बढ़ने लगा। समय पर दुकान खोलना, उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान देना और ग्राहकों से मधुर व्यवहार करना उनकी पहचान बन गया। इसी का परिणाम है कि आज उनका जनरल स्टोर गांव में भरोसे का केंद्र बन चुका है। वर्तमान में उन्हें इस व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 5,000 से 8,000 रुपये तक की नियमित आय प्राप्त हो रही है।

इस आय से अल्पना ने न केवल समय पर ऋण की किश्तें चुकाईं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ किया। आज उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, बल्कि वे स्वयं दूसरों को सहयोग करने की स्थिति में हैं। अल्पना की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उन्होंने स्वयं में आए बदलाव को समाज तक पहुंचाया। वे अब अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़ने, बचत करने और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने किया 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी 16 टीमें ले रही हैं हिस्सा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ राज्य व्हॉलीबॉल एसोशिएशन द्वारा 3 से 8 फरवरी तक इसका आयोजन किया गया है। चैंपियनशिप में भारत के लिए खेल चुके कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। रेलवे, सर्विसेस और इंडियन यूनिवर्सिटी सहित कई राज्यों की टीमें इसमें भागीदारी कर रही हैं। पुरुष वर्ग में 10 टीमें और महिला वर्ग में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फेडरेशन कप के उद्घाटन के बाद इंडोर स्टेडियम में रुककर तमिलनाडू और सर्विसेस के बीच हुए उद्घाटन मैच को पूरा देखा। वे कांटे के मुकाबले वाले इस मैच के समाप्त होने के बाद ही स्टेडियम से निकले। विधायक सुनील सोनी भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 37वीं फेडरेशन कप व्हॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती पर मैं देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करता हूं। व्हॉलीबॉल हमें टीमवर्क, सहयोग और समन्वय सिखाता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने इसमें प्रदेश का काफी नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा और कौशल का पूरी क्षमता से प्रदर्शन कर सके, इसके लिए जरूरी अधोसंरचना और प्रशिक्षण पर हम लगातार जोर दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वर्षों से बंद राज्य खेल अंलकरण सम्मान को हमने पुन: प्रारंभ किया है। ओलंपिक खेलों में राज्य के खिलाड़ी की भागीदारी पर शासन की ओर से 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं स्वर्ण पदक जीतने पर 3 करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर 2 करोड़ रुपए और कांस्य पदक जीतने पर एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

दलपत सागर में रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ सीपीआर की ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर दलपत सागर की लहरें मंगलवार को केवल शांत खूबसूरती की गवाह नहीं थीं, बल्कि वे गवाह बनीं अदम्य साहस, प्रशासनिक मुस्तैदी और आपदा प्रबंधन की एक शानदार पाठशाला की। आगामी मानसून और बाढ़ की संभावित विभीषिका से निपटने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और नगर सेना ने एक संयुक्त अभ्यास को अंजाम दिया। इस पूर्वाभ्यास ने न केवल प्रशासन की तैयारियों को परखा, बल्कि बस्तरवासियों को यह विश्वास भी दिलाया कि संकट के समय देसी तकनीक और सूझबूझ का सही तालमेल कैसे जीवन रक्षक बन सकता है।

अभ्यास की शुरुआत होते ही दलपत सागर का पूरा तट मोटर बोट्स की गर्जना से गूंज उठा। एक काल्पनिक बाढ़ की स्थिति निर्मित की गई, जिसमें पानी में फंसे लोगों को बचाने की चुनौती सामने थी। पलक झपकते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के जवान हरकत में आए और गहरे पानी में उतरकर युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान जवानों ने डूबते हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का जीवंत प्रदर्शन किया। इसके साथ ही नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की तकनीकों का भी अद्भुत प्रदर्शन किया।

इस पूरे अभियान में सबसे रोचक और शिक्षाप्रद पहलू आपदा में आविष्कार की भावना रही। जहाँ एक ओर लाइफ बॉय और लाइफ जैकेट जैसे मानक उपकरणों का उपयोग किया गया, वहीं दूसरी ओर जवानों ने यह भी सिखाया कि यदि बाढ़ के वक्त प्रोफेशनल उपकरण न हों, तो कैसे घर में पड़ी पानी की खाली बोतलों और तेल के खाली कनस्तरों को रस्सी से बांधकर तत्काल जीवनरक्षक उपकरण तैयार किए जा सकते हैं। इन घरेलू जुगाड़ के सहारे जवानों ने बिना किसी बाधा के पानी में तैरकर दिखाया, जिससे वहां मौजूद हर शख्स चकित रह गया और यह संदेश गया कि सूझबूझ से सीमित संसाधनों में भी जान बचाई जा सकती है।

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद जीवन बचाने की यह मुहिम तट पर भी जारी रही, जहाँ पानी से बाहर निकाले गए व्यक्ति की जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया सीपीआर देने का वैज्ञानिक तरीका समझाया गया। इस प्रशिक्षण को और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए वहां मौजूद एक स्थानीय विद्यार्थी को आगे बुलाया गया, जिसने जवानों के मार्गदर्शन में डमी पर सीपीआर का सटीक प्रदर्शन कर यह साबित किया कि अब नई पीढ़ी भी आपदा से निपटने के लिए तैयार हो रही है। एनडीआरएफ की तीसरी बटालियन के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी, डिप्टी कलेक्टर सतेंद्र बंजारे और नगर सेनानी संतोष मार्बल सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि आपदा बताकर नहीं आती, इसलिए तैयार रहें।

आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता के संवर्धन पर कार्यशाला, 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आर्द्रभूमियाँ अविश्वसनीय जैव विविधता का घर हैं और पृथ्वी पर सबसे समृद्ध और विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं। ये कई लुप्तप्राय, संकटग्रस्त और स्थानिक प्रजातियों को आश्रय देती हैं जो केवल कुछ निश्चित आर्द्रभूमि आवासों में ही जीवित रह सकती हैं।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर 2 फरवरी को बालसमुंद जलाशय, पलारी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बलौदाबाजार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम सह- कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर, बालसमुंद जलाशय क्षेत्र में संपन्न हुआ।

बारनवापारा अभ्यारण्य में 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान

इस विशेष आयोजन का उद्देश्य पृथ्वी के लिए आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि ये पारिस्थितिकी तंत्र जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इस आयोजन में लगभग 60 प्रतिभागियों, 5 विशेषज्ञों तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 49 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमियों के पारिस्थितिक महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पक्षी अवलोकन एवं आर्द्रभूमि अध्ययन की व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं द्वारा जलाशय से जल नमूने एकत्रित किए गए तथा बारनवापारा अभ्यारण्य के फॉरेस्ट गाइड्स के सहयोग से 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई। प्रतिभागियों को तालाब में पाए जाने वाले जलीय जीव-जंतुओं, जल गुणवत्ता तथा पारिस्थितिक तंत्र की जानकारी दी गई।

बालसमुंद जलाशय स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में बताया कि आर्द्रभूमियाँ न केवल पक्षियों एवं जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास हैं, बल्कि ये भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण, जल शुद्धिकरण, स्थानीय जलवायु संतुलन एवं आजीविका समर्थन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बालसमुंद जलाशय जैसे जलस्रोत क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम में वन-मंडलाधिकारी, धम्मशील गणवीर के मार्गदर्शन में जिले की आर्द्रभूमियों को अधिसूचित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप-विभागीय अधिकारी (वन) निश्चल चंद शुक्ला, वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रखर नायक, एवं कार्यक्रम संयोजक सहायक प्राध्यापक प्रो. अजय मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नगर पंचायत अध्यक्ष गोपी साहू, उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा, हितेंद्र ठाकुर एवं शोधार्थी दीपक तिवारी रहे। इसके अतिरिक्त डिप्टी रेंजर धर्म सिंह बरिहा, बीट प्रभारी मनबोधन टंडन, उपस्थित रहे।

कुंवरपुर डैम में सारस क्रेन संरक्षण पर जागरूकता

अंबिकापुर। लखनपुर परिक्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर डेम में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता को बढ़ावा देना, विशेष रूप से सारस क्रेन के संरक्षण पर विचार-विमर्श करना था। कार्यशाला में सारस क्रेन के प्राकृतिक आवास, उनके संरक्षण की आवश्यकता, मानवीय गतिविधियों से पड़ने वाले दुष्प्रभाव तथा संरक्षण हेतु समन्वित एवं सामुदायिक प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विजय अग्रवाल, सभापति, वन स्थायी समिति एवं सदस्य, जिला स्तरीय वेटलैंड संरक्षण समिति मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही संचालक मत्स्य एवं पशुपालन विभाग, एसडीओ सिंचाई विभाग, सब-इंजीनियर, नगर निगम प्रतिनिधि, दीपिका स्वर्णकार, सहायक प्राध्यापक, पीजी कॉलेज, उप-वनमण्डलाधिकारी अंबिकापुर एवं उदयपुर, सरगुजा वनमण्डल के समस्त वन परिक्षेत्राधिकारी, लखनपुर परिक्षेत्र के कर्मचारीगण तथा वेटलैंड मित्र कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागी उपस्थित रहे। वक्ताओं द्वारा आर्द्रभूमियों को स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने, जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। उपस्थितजनों द्वारा आर्द्रभूमि एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी, सरगुजा द्वारा आम नागरिकों से आह्वान किया गया कि वे आर्द्रभूमियों में स्वच्छता अभियान चलाकर इन्हें स्वच्छ बनाए रखें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950